सांध्य दैनिक

# 4PM



एक छोटी सी मोमबत्ती का प्रकाश कितनी दूर तक जाता है! इसी तरह इस बुरी दुनिया में एक अच्छा काम चमचमाता है।

–विलियम शेक्सपीयर

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in  www.facebook.com/4pmnewsnetwork  @Editor_Sanjay  YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 232 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 29 सितम्बर, 2023



बच्ची के साथ हुआ भयावह अपराध, भारत... 7

महिला आरक्षण बिल व ओबीसी मुद्दा... 3

इस बार मप्र में सत्ता परिवर्तन... 2


# राजस्थान व मध्य प्रदेश में बीजेपी के लिए राह नहीं आसान

## सिटिंग विधायकों की नाराजगी का भुगतना होगा खमियाजा

## हार के डर से केंद्रीय नेताओं को राज्य विस चुनाव में उतारने की तैयारी

» कांग्रेस ने चारों तरफ से शिवराज सरकार को घेरा

» राजे व विजयवर्गीय की नाराजगी पड़ेगी भारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। ऐसा लग रहा राजस्थान व मध्य प्रदेश में बीजेपी की हालत ठीक नहीं है। ऐसा इसलिए क्योंकि जहां मध्य प्रदेश में भाजपा अपने केंद्रीय स्तर के नेताओं को विधान सभा चुनाव लड़ाने जा रही है वहीं कुछ इसी तरह का प्रयोग वह राजस्थान में भी करने की सोच रही है। जानकारों की मानें तो ऐसा भाजपा का शीर्ष नेतृत्व इसलिए कर रहा है क्योंकि मध्यप्रदेश में उसके सीटिंग विधायकों की छवि अपने क्षेत्र में बहुत खराब हो गई है। बड़े नेताओं को ऐसा लगता है कि अगर इन विधायकों को टिकट देंगे तो हार निश्चित है इसी के मद्देनजर जेपी नड्डा, अमित शाह व पीएम मोदी ने सोच-समझकर निर्णय लिया है कि केंद्रीय स्तर के नेताओं को चुनावों में उतारा जाए ताकि पार्टी को शर्मनाक हार से बचाया जाए। मध्यप्रदेश में शिवराज सरकार के 18 सालों के शासन से लोग परेशान हैं। लोग अब बदलाव चाहते हैं वहीं कांग्रेस वैसे ही वहां सरकार पर हमले करने का कोई भी अवसर गंवाती नहीं है। कमलनाथ, दिग्विजय, राहुल व प्रियंका गांधी से लेकर हर छोटा बड़ा नेता शिवराज सरकार के कार्यकाल की आलोचना में लगा रहता है। उधर राजस्थान में वसुंधरा राजे को नजरअंदाज करके भी भाजपा ने अपने लिए गड्ढा खोद लिया है। अंदर खाने से खबर आ रही है वह शीर्ष नेतृत्व से नाराज हैं। हांलाकि जैसे ही ऐसी खबरें सुर्खियों आई भाजपा कहने लगीं ऐसा कुछ नहीं है। वहीं एमपी में कैलाश विजयवर्गीय को विधान सभा का टिकट दिया गया ऐसे कयास लगाए जा रहे हैं वह इस फैसले से खुश नहीं हैं।

### मैं विधान सभा चुनाव नहीं लड़ रहा : शेखावत

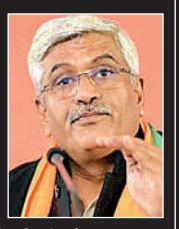



केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने उनके विधानसभा चुनाव लड़ने की चर्चाओं को खारिज कर दिया। शेखावत से पूछा कि आपको मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ चुनाव लड़वाने की चर्चाएं चल रही हैं। इस पर उन्होंने कहा कि पार्टी का निर्णय तो पार्टी जाने, कौन चुनाव लड़ेगा? ये पार्टी संसदीय बोर्ड तय करेगा, लेकिन फिलहाल इस पर कोई चर्चा नहीं हुई। शेखावत ने कहा कि बैठक में राजस्थान में आगामी चुनाव संबंधी विचार हुआ। सारी परिस्थितियों और क्षेत्रों पर चर्चा हुई। चुनाव में क्या समीकरण बनेंगे? उस पर भी चर्चा हुई। चुनाव के हालात पर भी चर्चा हुई। वर्तमान सरकार के हालात पर भी चर्चा हुई। समाज और प्रदेश में व्याप्त मुद्दों पर भी चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गहलोत सरकार सबसे भ्रष्टाचारी सरकार है। भ्रष्टाचार के विषय पर भी बहुत विस्तार से चर्चा हुई। आने वाले चुनाव को लेकर भी चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि बैठक में मेरे चुनाव लड़ने संबंधी कोई चर्चा नहीं हुई।

### शाह-नड्डा ने नेताओं के साथ की बैठक

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने राजस्थान इकाई के नेताओं के साथ आगामी विधानसभा चुनाव पर चर्चा की। इस बीच चर्चा है कि भाजपा दो केंद्रीय मंत्रियों को चुनाव लड़ाने की तैयारी कर रही है। दरअसल, भाजपा ने मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की दूसरी सूची में तीन केंद्रीय मंत्रियों और चार अन्य सांसदों को जगह दी है। करीब तीन घंटे तक चली बैठक में राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष, वसुंधरा राजे सिंधिया, राजेंद्र राठौड़, सतीश पूनिया, अरुण सिंह, विजया राहटकर, सह प्रभारी नितिन पटेल, गजेंद्र सिंह शेखावत, राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने भाग लिया।

# कर्नाटक बंद के दौरान 50 से ज्यादा प्रदर्शनकारी हिरासत में

» कावेरी नदी का पानी तमिलनाडु को दिए जाने के खिलाफ सड़क पर उतरे लोग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कावेरी नदी का पानी तमिलनाडु को दिए जाने के आदेश के बीच कर्नाटक में आज बंद राज्यव्यापी बुलाया गया है। बंद के आह्वान के बीच कर्नाटक पुलिस ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रदर्शन कर रहे कन्नड़ समर्थक संगठनों के 50 से ज्यादा सदस्यों को हिरासत में ले लिया है।

बेंगलुरु ग्रामीण पुलिस मल्लिकार्जुन बालादंडी ने कहा कि कन्नड़ समर्थक संगठनों ने बंद के मद्देनजर उचित व्यवस्था की है। संगठनों के 50 से ज्यादा लोगों को हिरासत में ले लिया है। उनके पास पर्याप्त पुलिस बल है, वह सुनिश्चित करेंगे कि कुछ भी गलत न हो।

### 44 फ्लाइट्स कैंसिल, बेंगलुरू एयरपोर्ट में घुसे कार्यकर्ता

शुक्रवार को बेंगलुरू इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाली कम से कम 44 फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गईं। बंद की वजह से कई शहरों में लोगों का जनजीवन भी प्रभावित हुआ है। एयरपोर्ट के अधिकारियों ने कहा है कि ऑपरेशनल वजहों से फ्लाइट कैंसिल की गई हैं। यात्रियों को इसकी सूचना दे दी गई है। वहीं कर्नाटक के झंडे के साथ पांच कन्नड़ समर्थक कार्यकर्ताओं ने बेंगलुरू एयरपोर्ट के भीतर घुसने की कोशिश की। हिरासत में लिए गए पांचों लोगों से टिकट मिले हैं।

# मणिपुर सीएम के पैतृक आवास पर हमला

» आज सुबह स्थिति काफी हद तक शांत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इंफाल। मणिपुर की इंफाल घाटी में गुरुवार रात एक बार फिर हिंसा भड़क गई। यहां मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के खाली पैतृक आवास पर हमला करने का प्रयास किया गया। साथ ही रात भर हिंसक झड़पें चलीं। हालांकि, शुक्रवार सुबह स्थिति काफी हद तक शांत रही, लेकिन माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है। वहीं, अधिकारियों ने लोगों को आवश्यक वस्तुएं और दवाएं खरीदने के लिए कर्फ्यू में ढील देने का आदेश दिया।

बता दें, इंफाल पूर्व और इंफाल पश्चिम जिलों में सुबह पांच बजे से रात 5 बजे तक कर्फ्यू में ढील दी गई। हालांकि, यह छूट किसी भी सभा या बड़े पैमाने पर लोगों की आवाजाही या धरना प्रदर्शन पर लागू नहीं होगी। इंफाल घाटी में बड़े पैमाने पर सुरक्षा बल मौजूद हैं।

### रात भर हुईं झड़पें

सूत्रों ने बताया कि इंफाल में विभिन्न स्थानों पर गुरुवार रात सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं। इसमें कई लोग घायल हो गए। दरअसल, इंफाल पूर्व के हट्टा मिनुथोंग में दो छात्रों की हत्या के लिए न्याय की मांग को लेकर निकाली गई रैली उस समय हिंसक हो गई जब सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। सूत्रों ने बताया कि घटना में कई लोग घायल हो गए और उन्हें स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

इसके बावजूद भीड़ ने गुरुवार रात मुख्यमंत्री के खाली पैतृक आवास पर हमला करने की कोशिश की। हालांकि, सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले छोड़कर उपद्रवियों को वहां से हटा दिया। इंफाल के हेंगांग इलाके में मुख्यमंत्री के पैतृक आवास पर हमला करने का प्रयास किया गया। हालांकि, सुरक्षा बलों ने भीड़ को घर से करीब 100-150 मीटर की दूरी पर रोक दिया।

# इस बार मप्र में सत्ता परिवर्तन निश्चित : अखिलेश

## » सपा प्रमुख ने आदिवासी के घर में किया भोजन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। दो दिवसीय दौरे पर मध्यप्रदेश गए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश में परिवर्तन निश्चित है। समाजवादी पार्टी का लक्ष्य मध्य प्रदेश में भाजपा को हराना है। मध्य प्रदेश में बड़ी संख्या से समाजवादी नेता निकले हैं। यहां बड़ी गुंजाइश है। समाजवादी विचारधारा का भविष्य बड़ा और अच्छा है। अखिलेश ने इस दौरान मध्य प्रदेश के राजनगर क्षेत्र में स्थित सिंगरो गांव में एक आदिवासी के आवास पर भोजन किया। घर की महिलाओं ने स्वागत कर उन्हें भोजन कराया।**

अखिलेश यादव ने खजुराहो में कहा कि समाजवादी पार्टी का संगठन जिन क्षेत्रों में मजबूत है और जहां पर हमारे प्रत्याशी जीतने की स्थिति में हैं, वहां पर चुनाव लड़ेंगे। पिछले विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी एक सीट जीती और कई स्थानों पर बहुत मजबूती से चुनाव लड़ी। सपा प्रमुख ने कहा कि समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन के साथ है। हम (पीडीए) पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों को एकजुट करके भाजपा को हराने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। दावा किया कि केंद्र में 2024 में इंडिया गठबंधन की सरकार बनना तय है। मध्य प्रदेश में भी भाजपा को हराने और सत्ता परिवर्तन में समाजवादियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। सरकार में आने का मौका मिला तो मध्य प्रदेश में माता बहनों को हर महीने छह हजार देकर उनकी मदद करेंगे। आदिवासियों को उनका हक और सम्मान दिलाएंगे और घर बनाने के लिए लाख रुपये दिए जाएंगे। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार ने मध्य प्रदेश को बर्बाद कर दिया है। यह चुनाव केवल मध्य प्रदेश का नहीं है, बल्कि इसका संदेश आगामी लोकसभा चुनाव में भी जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने किसानों से आय दोगुनी करने का वादा किया था लेकिन दस साल की सरकार में आय दोगुनी नहीं हुई। न यूपी के नौजवानों को नौकरी दी और न मध्य प्रदेश के नौजवानों के लिए कोई काम किया। इसी से साबित होता है कि भाजपा की नीयत कभी साफ नहीं है।

### भाजपा शासित राज्यों में महिलाओं पर अत्याचार ज्यादा

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा पिछले 20 वर्षों से मध्य प्रदेश की सत्ता पर काबिज है लेकिन उसने पिछड़ों को पूरा आरक्षण नहीं दिया। महिलाओं, बहन, बेटियों के साथ बहुत ज्यादा अन्याय और अत्याचार हो रहा है। भाजपा शासित राज्य उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश महिला अपराधों के मामले में देश में सबसे ऊपर हैं। अखिलेश ने कहा कि बीजेपी मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव में महिलाओं को 33 प्रतिशत सीटों पर टिकट क्यों नहीं दे रही है?

# आठ साल से कर रहे जांच कुछ नहीं मिला : केजरीवाल

## » बोले- पीएम घबराए हुए हैं, फिर कुछ नहीं मिलेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के लिए नए आवास के निर्माण और नवीनीकरण में कथित अनियमितताओं की जांच सीबीआई करेगी। इसके बाद गुरुवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा, इससे पता चलता है कि पीएम घबराए हुए हैं, यह पहली पूछताछ नहीं है। पहले ही 50 से अधिक बार पूछताछ की जा चुकी है। साथ ही कहा कि उन्होंने मेरे खिलाफ 33 से अधिक मामले दर्ज किए हैं, वे पिछले 8 साल से जांच कर रहे हैं, लेकिन कुछ नहीं मिला। इसलिए उन्होंने ये नई जांच शुरू की है, इसका भी स्वागत है, इस जांच में भी कुछ नहीं मिलेगा।**

इससे पहले उपराज्यपाल ने भी मुख्यमंत्री आवास सौंदर्यीकरण में हुए खर्च को संज्ञान में लिया था। सीबीआई द्वारा दर्ज की गई प्रारंभिक जांच पर आम आदमी पार्टी का भी बयान सामने आया है। आप ने कहा है कि दिल्ली की 2 करोड़ जनता का आशीर्वाद अरविंद केजरीवाल के साथ है। इस जांच से कुछ नहीं निकलेगा। उपराज्यपाल इस मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए उन्होंने मुख्य सचिव को पूरे मामले में सभी रिकॉर्ड सुरक्षित रखने का निर्देश दिए थे। साथ ही इस पूरे मामले में रिपोर्ट पेश करने को कहा था। वहीं भाजपा ने दावा किया था कि नवीनीकरण नहीं बल्कि पुराने की जगह नया ढांचा तैयार किया गया। इसमें उनका कैंप कार्यालय भी है। साथ ही भाजपा ने दावा किया था कि इस मामले में दस्तावेज से पता चलता है कि 43.70 करोड़ रुपये की स्वीकृत राशि के बजाय सिविल लाइंस के 6 फ्लैट, स्टाफ रोड स्थित केजरीवाल के सरकारी आवास की शक्ल बदलने पर 44.78 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे।

# राहुल को अपने बीच पाकर खिलखिलाए कारीगरों के चेहरे

## » एशिया के सबसे बड़े फर्नीचर मार्केट पहुंचे कांग्रेस सांसद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली । कांग्रेस नेता राहुल गांधी दिल्ली के कीर्तिनगर स्थित फर्नीचर मार्केट पहुंचे और वहां कारीगरों से मुलाकात की। इसको लेकर उन्होंने एक्स पर जानकारी देते हुए लिखा, एशिया के सबसे बड़े फर्नीचर मार्केट जाकर आज बढ़ई भाइयों से मुलाकात की। ये मेहनती होने के साथ ही कमाल के कलाकार भी हैं। मजबूती और खुबसूरती तराशने में माहिर। काफी बातें हुईं, थोड़ा उनके हुनर को जाना और थोड़ा सीखने की कोशिश की। इससे पहले राहुल गांधी बीते हफ्ते 21 सितंबर को दिल्ली के आनंद विहार रेलवे स्टेशन पहुंचे थे और वहां कुलियों से मुलाकात की थी।**

उन्होंने कुलियों से बात की और उनकी परेशानियों को सुना था। इस दौरान राहुल ने कुली की ड्रेस पहनकर यात्रियों का सामान भी उठाया था। 27 जून को करोल बाग भी पहुंचे थे और वहां मोटरसाइकिल मैकेनिकों से मुलाकात की थी। तब उन्होंने फेसबुक पर मैकेनिकों के साथ अपनी बातचीत की तस्वीरें पोस्ट कीं थी और लिखा- उन हाथों से सीखना जो रिंच घुमाते हैं और भारत के पहियों को गतिमान रखते हैं।

# बसपा ने जारी की मप्र में प्रत्याशियों की दूसरी सूची

## » बसपा ने की अब तक दो सूचियों में 16 उम्मीदवारों की घोषणा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में राजनीतिक पार्टियों ने तैयारी तेज कर दी है। बहुजन समाज पार्टी ने अपने प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी कर दी है। इसमें नौ उम्मीदवारों के नाम है। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा, आप, सपा और बसपा ने अपने अपने उम्मीदवारों के नाम का एलान करना शुरू कर दिया है। गुरुवार को बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने अपनी दूसरी सूची जारी कर दी है। इसमें नौ उम्मीदवारों के नाम सामने आए है।**

बसपा की सूची में सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित सतना जिले की अमरपाटन सीट पर छन्नोलाल कोल, भिंड सीट पर रक्षपाल सिंह कुशवाह, सीहोर सीट पर कमलेश दौहरे को प्रत्याशी बनाया है। इसके अलावा अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित जबलपुर पूर्व सीट पर बालकिशन चौधरी, भोपाल जिले की बैरसिया सीट पर विश्राम सिंह बौध्द, देवास जिले की सोनकच्छ सीट पर डॉ. एसएस मालवीय, उज्जैन जिले की घटिया सीट से जीवन सिंह देवड़ा, पन्ना जिले की गुन्नौर सीट से देवीदीन आशू और छतरपुर जिले की चंदला विधानसभा सीट से डीडी अहिरवार उर्फ दीनदयाल को प्रत्याशी बनाया है। बता दें इससे पहले बसपा ने अगस्त में अपनी पहली सूची में सात उम्मीदवारों के नाम घोषित किए थे।

### रालोद की प्रदेश कार्यकारिणी घोषित

राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह की सहमति से प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। इसमें 12 उपाध्यक्ष, 30 महासचिव, 36 प्रदेश सचिव व 31 कार्यकारिणी सदस्य शामिल हैं। रालोद के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे ने बताया कि पूर्व मंत्री योगराज सिंह, अजित सिंह दौला, हाजी वसीम हैदर, सुरेश गुप्ता, कुंवर नरेंद्र सिंह, सन्तोष कुमार मिश्रा, नरेंद्र खजूरी, रामआत्रे विश्वकर्मा, चंद्रबली यादव, बद्री पटेल, कुंवर अय्यूब अली व आदित्य विक्रम सिंह को प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किया है।

# भाजपा का हर स्तर पर करेंगे विरोध : अजय

## » दानिश से मिले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। कांग्रेस प्रदेश इकाई की ओर से 30 लोकसभा सीट को प्रथम श्रेणी की मान कर तैयारी की जा रही है। प्रदेश में सपा भले बड़ी पार्टी है, लेकिन कांग्रेस खुद को याचक की भूमिका में नहीं रखना चाहती है। यही वजह है कि अब बसपा से नजदीकी बढ़ाई जा रही है। पिछले दिनों प्रियंका गांधी के बसपा प्रमुख मायावती से मिलने की चर्चा थी। अजय राय दिल्ली पहुंचे और बसपा सांसद दानिश अली से मिलने पहुंचे।**

उनके साथ संगठन सचिव अनिल यादव, राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल व तौकीर आलम भी साथ थे। इस मुलाकात के बाद कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि यह औपचारिक मुलाकात थी। देश व प्रदेश के सियासी हालात पर बातचीत हुई है। भाजपा की संप्रदायवादी मानसिकता का हर स्तर पर विरोध किया जाएगा। गठबंधन के सवाल पर उन्होंने यह फैसला शीर्ष नेतृत्व का होने की बात कही। सूत्रों का कहना है कि दोनों के बीच करीब घंटेभर उत्तर प्रदेश की सियासत पर मंत्रणा हुई है। कुछ सीटों की स्थितियों पर भी चर्चा हुई है। प्रदेश में बसपा के 10 सांसद हैं। वह भी अपनी ताकत बढ़ाना चाहती है। ऐसे में बसपा को इंडिया गठबंधन में शामिल करने की दिशा में दानिश नई कड़ी साबित हो सकते हैं। दूसरी तरफ सियासी जानकारों का कहना है कि अजय राय और दानिश के गले मिलते हुए तस्वीर सार्वजनिक करने के सियासी निहितार्थ स्पष्ट हैं। भाजपा सांसद के बयान के बाद अल्पसंख्यकों में आक्रोश है। कांग्रेस सहानुभूति दिखाकर पुराने वोटबैंक को जोड़ने का प्रयास कर रही है। दूसरी अहम बात यह है कि सपा की ओर से जिस तरह की बयानबाजी हो रही है, उस पर दबाव बनाने की भी रणनीति है।

### युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ओमवीर ने दिया इस्तीफा

लखनऊ। युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष (पश्चिम) ओमवीर यादव ने अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। इसके पीछे लोकसभा चुनाव की तैयारी के वक्त संगठनात्मक चुनाव कराने पर नाराजगी है, लेकिन अंदरखाने में इसे लेकर हलचल मच गई है। फिलहाल ओमवीर ने भावनात्मक पत्र के साथ अपना इस्तीफा युवक कांग्रेस के राष्ट्रीय पदाधिकारियों, राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रदेश अध्यक्ष अजय राय सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं को भेजा है। प्रदेश में 21 सितंबर से युवक कांग्रेस की आनलाइन चुनाव प्रक्रिया शुरू हुई है। नवंबर तक सदस्यता अभियान के बाद दिसंबर में चुनाव होना है। इसमें प्रदेश अध्यक्ष, महासचिव, जिलाध्यक्ष और विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव कराया जा रहा है। इस बीच प्रदेश अध्यक्ष (पश्चिम) ओमवीर यादव ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रदेश अध्यक्ष सहित वरिष्ठ पदाधिकारियों को भेजे इस्तीफे में लिखा है कि लोकसभा चुनाव तक संगठनात्मक चुनाव पार्टी के लिए घातक साबित हो सकता है। ओमवीर ने पत्र में लिखा है कि युवक कांग्रेस के सदस्य हर आंदोलन में आगे रहे हैं। उनमें लड़ने का सपना है, लेकिन जब से लोकसभा चुनाव से पहले संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया शुरू की गई है तब से वे उदास हैं। यह उदासी पार्टी के लिए नुकसानदेह है। क्योंकि संगठनात्मक चुनाव में पार्टी के कार्यकर्ता अपने ही साथियों के सामने प्रतिद्वंदी की भूमिका में होंगे।

# महिला आरक्षण बिल व ओबीसी मुद्दा पार कराएगा 24 का चुनावी बेड़ा

- भाजपा नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर मांगेगी वोट
- कांग्रेस का ओबीसी का कोटा देने व तुरंत लागू करने पर रहेगा जोर
- पूरा विपक्ष एक जुट होकर बीजेपी को घेरने की तैयारी में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जिस तरह से महिला आरक्षण बिल संसद से पास होने के बाद नेताओं के भाषणों में उसका जिक्र सबसे ऊपर है उससे लगता है कि यह 2024 में एक बड़ा चुनावी मुद्दा बन सकता है। भाजपा सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हर मंच से महिला आरक्षण बिल के पास होने पर अपनी पीठ स्वयं हर थपथपा रहे उससे ऐसा लगता है की महिला वोट पर उनकी पैनी नजर है। वहीं विपक्षी कांग्रेस के सबसे बड़े नेता राहुल गांधी बिल पास करवाने में अपनी पार्टी की बड़ी भूमिका बता रहें हालांकि वह इस बिल में ओबीसी महिलाओं को कोटा दिलाने को लेकर केंद्र सरकार को घेरने का मौका नही छोड़ रहे हैं, उन्होंने यहां तक कह दिया कि वह इस मुद्दे को तब तक उठाते रहेंगे जबतक सरकार उनकी मांग न मान ले । हालांकि बीजेपी इस पर कांग्रेस की भरसक आलोचना करने में जुटी है।

उधर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा लोकसभा में उठाए गए ओबीसी गणना और आरक्षण के मुद्दें का राज्यसभा में जवाब देते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस के जितने सांसद हैं, उससे ज्यादा तो लोकसभा में उनके ओबीसी सांसद हैं। महिला आरक्षण बिल की सुगबुगाहट के साथ ही कांग्रेस ने ओबीसी राग आलापना शुरू कर दिया था। लोकसभा में विपक्षी दलों की पहली स्पीकर के तौर पर बोलते हुए कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी ने महिला आरक्षण को अपने पति और देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का सपना बताने के साथ-साथ भारत सरकार से जाति जनगणना करा कर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और ओबीसी अर्थात अन्य पिछड़ा वर्ग की महिलाओं को भी आरक्षण देकर आगे बढ़ाने की मांग की। हालांकि कोटे के अंदर कोटे की नीति के तहत सरकार ने अपने महिला आरक्षण बिल में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए पहले से आरक्षित सीटों में से 33 प्रतिशत सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने का प्रस्ताव शामिल कर रखा है लेकिन ओबीसी समुदाय की महिलाओं को आरक्षण देने पर सरकार का तर्क बिल्कुल साफ है कि अभी संविधान में सामान्य वर्ग के साथ-साथ सिर्फ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण का प्रावधान है इसलिए इससे अलग हटकर कोई व्यवस्था फिलहाल नहीं की जा सकती है।

## कांग्रेस फिर से पाना चाहती है ओबीसी मतदाताओं का साथ

दूसरी तरफ, नरेंद्र मोदी को 2024 में किसी भी कीमत पर हराने के लिए बेताब कांग्रेस महिला वोटरों के साथ-साथ ओबीसी वोटरों पर भी दांव खेलने का प्रयास कर रही है। हालांकि यह लड़ाई कांग्रेस से ज्यादा उसके आरजेडी और सपा जैसे सहयोगी दलों की ज्यादा लग रही है। देश के महिला वोटरों और प्रभावशाली ओबीसी तबको को छोड़ कर ओबीसी समुदाय से ताल्लुक रखने वाले अन्य

जातियों में भाजपा खासकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रभाव को देखते हुए कांग्रेस के रणनीतिकारों का यह लग रहा है कि इसमें सेंध लगाए बिना मोदी को हराना नामुकिन है इसलिए कांग्रेस ने एक साथ कई स्तरों पर अभियान छेड़ दिया है। राहुल गांधी और कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे लगातार यह कह रहे हैं कि सत्ता में आते ही वह तत्काल प्रभाव से महिला आरक्षण को लागू कर देंगे और साथ ही जाति जनगणना करवा कर ओबीसी समुदाय के लिए आरक्षण का रास्ता भी खोलेंगे। जाहिर है कि एक तरफ भाजपा है जिसे महिला आरक्षण के अपने दांव पर पूरा भरोसा है तो दूसरी तरफ कांग्रेस है जो महिला वोटरों को लुभाने के साथ ही जाति जनगणना की मांग के जरिए ओबीसी वोटरों पर ज्यादा फोकस कर रही है। ऐसे में फिलहाल तो भाजपा और कांग्रेस की यह चुनावी जंग महिला आरक्षण बनाम ओबीसी के दांव में ही बदलती हुई ज्यादा नजर आ रही है।

### दोनों के लिए महत्वपूर्ण है ओबीसी मतदाता

सच्चाई यह है कि भाजपा और कांग्रेस दोनों ही राजनीतिक दल महिला मतदाताओं के साथ-साथ ओबीसी वोटरों का महत्व बखूबी समझते हैं। यह भी एक सर्वविदित तथ्य है कि आमतौर पर महिला वोटर जातियों की सीमा से परे जाकर अन्य मुद्दों पर वोट करते हैं यानी महिला वोटर ईवीएम का बटन दबाते समय पुरुष वोटरों की तरह सिर्फ जाति के बारे में ही नहीं सोचते हैं। इसलिए भाजपा ने महिला वोटरों को लेकर एक बड़ा दांव खेल दिया है। भाजपा को यह लगता है कि ओबीसी समुदाय को उन्होंने अब तक बहुत कुछ दिया है और आने वाले दिनों में भी उनके पास देने को बहुत कुछ है। भाजपा को यह भी लग रहा है कि अगर महिला आरक्षण बिल पास करवाने का दांव सही से चल गया तो देश के चुनावी इतिहास में भाजपा न केवल अपना रिकार्ड तोड़ सकती है बल्कि 1984 के राजीव गांधी के रिकार्ड को भी पार कर सकती है। इसलिए भाजपा आने वाले दिनों में जोर-शोर से महिला आरक्षण बिल को लेकर देश की मतदाताओं के पास जाने के लिए बड़ा अभियान चलाने जा रही है।

### लोगों को सोच भी बदलनी होगी

महिलाओं को उचित एवं सम्मानजनक स्थान देने में आरक्षण एकमात्र इलाज नहीं हैं। पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी मुल्कों में वर्षों से विधायी संस्थाओं में स्त्रियों की सीटें आरक्षित रही हैं, पर वहां उनके हालात कैसे हैं, यह बताने की जरूरत नहीं। हर राजनीतिक दल महिला उत्थान, उन्नयन एवं विधायी संस्थानों में संतुलित महिला प्रतिनिधित्व के लंबे-चौड़े दावे करते रहे हैं और वादे भी, लेकिन जब समय आता है तो महिलाओं को उनका हक देने में अनेक किन्तु-परन्तु एवं कोताही होती रही है। पिछले लोकसभा चुनाव में कुल 82 महिला सांसद चुनकर आई थी। जिस देश में आधी आबादी महिलाओं की हो, वहां सिर्फ 15 फीसदी महिलाएं ही लोकसभा पहुंचे तो आश्चर्य ही नहीं, बल्कि विडम्बनापूर्ण ही है। आश्चर्य की बात यह कि 2019 से पहले हुए चुनावों में जीतने वाली महिला सांसदों की संख्या 82 से भी कम रहती आई है। विधानसभाओं के हाल भी कमोबेश लोकसभा जैसे ही हैं। सवाल सिर्फ सांसद-विधायक का ही नहीं है, प्रयास होने चाहिए कि मंत्री पद पर भी महिलाओं की भागीदारी बढ़े।

### बड़ा उतार-चढ़ाव वाला रहा है भारत की महिलाओं का जीवन

महिलाओं के युग बनते बिगड़ते रहे हैं। कभी उनको विकास की खुली दिशाओं में पूरे वेग के साथ बढ़ने के अवसर मिले हैं तो कभी उनके एक-एक कदम को संदेह के नागों ने रोका है। कभी उन्हें पूरी सामाजिक प्रतिष्ठा मिली है तो कभी वे समाज के हाशिये पर खड़ी होकर स्त्री होने की विवशता को भोगती रही है। कभी वे परिवार के केंद्र में रहकर समग्र परिवार का संचालन करती हैं तो कभी अपने ही परिवार में उपेक्षित और प्रताड़ित होकर निष्क्रिय बन जाती है। राजनीतिक मंचों पर तो महिलाओं के साथ भेदभाव समाप्त होने का नाम ही नहीं ले रहा था। इन विसंगतियों में संगति बिठाने के लिए महिला आरक्षण विधेयक एक सार्थक प्रयास है, अब महिलाओं को एक निश्चित लक्ष्य की दिशा में प्रस्थान करना होगा। राजनीतिक सत्ता एक जरिया बना रहा है, जिसके बल पर सत्ता भी मर्दों के हाथ में केंद्रित करके महिलाओं पर दबदबा कायम रखा जाता रहा है। एक पूर्वाग्रह भी रहा है कि महिलाओं के हाथों में राजनीति सौंप दी गई, तो पुरुषों की सत्ता पलट जाएगी। अभी तक जो महिलाएं संसद पहुंचती रही हैं, उनमें से ज्यादातर अभिजात वर्ग से आती हैं, पर महिला आरक्षण लागू होने से अब दबी-कुचली महिलाएं ज्यादा बड़ी संख्या में ऊपर आएंगी।

## औरतों ने बार-बार खुद को साबित किया

औरतों ने बार-बार खुद को साबित किया है। फिर भी पुरुष प्रधान मानसिकता में माना गया कि महिलाओं में न इतनी अक्ल होती है, न इतना अनुभव होता है और न ही उन्हें प्रकृति ने इस काबिल बनाया है कि वे राजनीतिक कार्यों से जुड़ी कठिनाइयां झेल सकें। एक कहावत है कि औरत जन्मती नहीं, बना दी जाती है और कई कट्टर मान्यता वाले औरत को मर्द की खेती समझते हैं। कानून एवं राजनीति का संरक्षण नहीं मिलने से औरत संघर्ष के अंतिम छोर पर लड़ाई हारती रही है। इसीलिये आज की औरत को हाशिया नहीं, पूरा पृष्ठ चाहिए। पूरे पृष्ठ, जितने पुरुषों को प्राप्त हैं। प्राचीन काल में भारतीय नारी को विशिष्ट सम्मान दिया जाता था। सीता, सती-सावित्री आदि अगणित भारतीय नारियों ने अपना विशिष्ट स्थान सिद्ध किया है। इसके अलावा अंग्रेजी शासनकाल में भी रानी लक्ष्मीबाई, चाँद बीबी आदि नारियाँ जिन्होंने अपनी सभी परंपराओं आदि से ऊपर उठ कर इतिहास के पन्नों पर अपनी अमिट छाप छोड़ी। आधुनिक नारी इतनी सक्षम है कि वह भारतीय राजनीति की तस्वीर भी बदल सकती है और तकदीर भी, शासन करने की उसमें अद्भुत क्षमता है। वे अपनी राजनीतिक पारी से जनता की खुशहाली ला सकती है। वे लोकतांत्रिक मूल्यों एवं मर्यादाओं को नया जीवन दे सकती है। भारत को विकास की राह पर अग्रसर कर सकती है। फिर भी लगातार महिलाओं से जुड़े आरक्षण के मुद्दें को जटिल बनाया जाता रहा है, अब मोदी सरकार इन जटिलाओं के बावजूद महिलाओं को उनका वाजिब राजनीतिक हक देने के लिये तत्पर हुई है तो इस कानून बनाने और नारी शक्ति के वंदन के अमल में सरकार का ही नहीं, राजनीतिक पार्टियों की भी बड़ी जिम्मेदारी है कि वे इस इम्तिहान में सफल होकर दशकों में बनी अ?चनें दूर करें, तभी अमृत काल में नारी का राजनीतिक जीवन भी अमृतमय बन सकेगा, इसी से महिला आरक्षण विधेयक को वास्तविक एवं सार्थक अर्थ मिल सकेगा।

## जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

# पश्चिम का दबाव नहीं मानेगा भारत

**भारतीय विदेश मंत्री ने कनाडा के आचरण पर भी खरी-खरी कह है। उन्होंने कनाडा सरकार द्वारा भारत पर लगाए गए आरोपों पर अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि आतंकी निज्जर की हत्या को लेकर भारत पर जो आरोप लगाए गए हैं वो कहीं से भी सही नहीं है, ऐसा इसलिए भी क्योंकि भारत अपनी तय नीतियों के तहत इस तरह की चीजों में कभी भी शामिल नहीं होता है।**

*विदेश मंत्री एस जयशंकर ने विश्व नेताओं के सामने बड़ी बेबाकी से कहा है कि भारत किसी भी देश को अपने आंतरिक मामले में दखलअंदाजी पसंद नहीं करेगा। साथ ही उन्होंने पश्चिमी देशों से कहा है कि आतंकवाद पर दोहरा चरित्र ठीक नहीं है। बड़े देश यह कतई न समझे कि उनके आतंकवाद से निपटने के तरीके को सब माने और जब कोई अन्य देश ऐसे ही कार्रवाई करे तो वे नाक-भौ चढ़ाने लगे। अब जब पूरी दुनिया एक जैसैं समस्याओं से गुजर रही है तो समाधान भी एक जैसे होने चाहिए। भारतीय विदेश मंत्री ने कनाडा के आचरण पर भी खरी-खरी कह है। उन्होंने कनाडा सरकार द्वारा भारत पर लगाए गए आरोपों पर अपनी बात रखी है। उन्होंने कहा कि आतंकी निज्जर की हत्या को लेकर भारत पर जो आरोप लगाए गए हैं वो कहीं से भी सही नहीं है, ऐसा इसलिए भी क्योंकि भारत अपनी तय नीतियों के तहत इस तरह की चीजों में कभी भी शामिल नहीं होता है। बता दें कि भारत और कनाडा के बीच राजनयिक विवाद तब शुरू हुआ जब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने दावा किया कि उनकी सरकार के पास जून में कनाडा की धरती पर निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता के विश्वसनीय आरोप हैं।*

*न्यूयॉर्क में काउंसिल फॉर फॉरेन रिलेशंस में जयशंकर ने कनाडा में संगठित अपराध के मुद्दे पर ध्यान आकर्षित किया, विशेष रूप से जो अलगाववादी ताकतों, हिंसा और उग्रवाद से जुड़ा है, उन्होंने राजनीतिक कारणों से ऐसी गतिविधियों को सहन करने के लिए कनाडा की स्पष्ट इच्छा के बारे में भी चिंता व्यक्त की। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत कनाडा को उनकी धरती से संचालित संगठित अपराध नेतृत्व के बारे में जानकारी दे रहा है। इतना ही नहीं बड़ी संख्या में प्रत्यर्पण अनुरोध और आतंकवादी नेताओं की पहचान भी की गई है. उन्होंने कनाडा में भारतीय राजनयिकों और वाणिज्य दूतावासों को धमकियों का सामना करने पर भी चिंता भी जताई।एस जयशंकर ने कहा कि हमारे पास ऐसी स्थिति है जहां वास्तव में हमारे राजनयिकों को धमकी दी गई है, हमारे वाणिज्य दूतावासों पर हमला किया गया है और अक्सर हमारी राजनीति में हस्तक्षेप है के बारे में टिप्पणियां की जाती हैं, और, इसमें से बहुत कुछ को अक्सर यह कहकर उचित ठहराया जाता है, ठीक है, लोकतंत्र इसी तरह काम करता है. जयशंकर ने पहले संयुक्त राष्ट्र में अपने भाषण के दौरान इस मुद्दे को संबोधित किया था, लेकिन उन्होंने कनाडा का नाम साफ तौर पर नहीं लिया था। जयशंकर ने इस विषय पर एक रिपोर्टर के सवाल को यह कहकर टाल दिया, मैं द फाइव आइज़ का हिस्सा नहीं हूं, मैं निश्चित रूप से एफबीआई का हिस्सा नहीं हूं, इसलिए मुझे लगता है कि आप गलत व्यक्ति से गलत सवाल पूछ रहे हैं।*

( इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं )

# वोट के मोह में सनातनी गुणगान

हेमंत पाल

राजनीति और धर्म के रास्ते हमेशा अलग-अलग रहे हैं। इसलिए कि सामाजिक धरातल और दृष्टिकोण से भी इनमें दूरी बने रहना जरूरी है। लेकिन, अब वो स्थिति नहीं रही। राजनीति और धर्म में ऐसा घालमेल हो गया, कि दोनों ही रास्ते आपस में एकाकार हो गए। कुछ सालों में तो हालात ये बन गए कि धर्म का राजनीतिक लक्ष्य पाने के फार्मूले की तरह इस्तेमाल होने लगा। ये हालात कुछ ही सालों में बने, जब लोगों को धर्म की अफीम इतनी चटाई गई कि वे इसके आदी हो गए। पांच राज्यों के प्रस्तावित विधानसभा चुनाव से पहले तो सभी राजनीतिक पार्टियों ने इसे सत्ता तक पहुंचने का आसान रास्ता ही समझ लिया। हिंदी भाषी राज्यों में तो चुनाव से पहले कथा, भागवत और धर्म आधारित आयोजनों की बाढ़ जैसी आ गई। इसलिए कि धर्म के 'सनातन' पक्ष को इतना ज्यादा प्रचारित किया कि लोगों ने इसे अपनी जिंदगी का हिस्सा बना लिया। नि:संदेह जीवन में धर्म की महत्ता एक सीमा तक है, कर्म की उससे कहीं ज्यादा।

कुछ साल पहले यह माहौल था कि जब कोई नेता धर्म के मंच पर पहुंचते, तो अपनी राजनीतिक पहचान को नीचे छोड़कर शीश नवाते थे। वे न तो आयोजन का हिस्सा बनने की कोशिश करते और न अपनी धार्मिक आस्था को प्रचारित करते थे। इसलिए कि ये राजनीतिक मर्यादा तोड़ने जैसी बात थी और इसका गंभीरता से पालन होता था। पर, अब ऐसा नहीं होता। पार्टियां और उनसे जुड़े नेता अपने आपको धार्मिक बताने का कोई मौका नहीं छोड़ते। यहां तक कि जब भी ऐसा कोई प्रसंग आता है, वे धर्म का आवरण धारण करने से भी नहीं चूकते। क्योंकि, उन्हें समझ आ गया कि अब राजनीति में धर्म की स्वीकार्यता बढ़ गई और इसे गलत भी नहीं समझा जाता। यही कारण है कि जैसे-जैसे विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, हिंदीभाषी राज्यों में कथावाचकों के आयोजन बढ़ गए। इसके अलावा तीज-त्योहार को भी हर पार्टी ज्यादा जोश से मनाने लगी। अब इस बात पर होड़-जोड़ होने लगी कि कौन ज्यादा बड़ा धार्मिक है।

इसका दोष किसी एक पार्टी को नहीं दिया जा सकता। भाजपा, कांग्रेस और उसके साथ क्षेत्रीय पार्टियां भी चुनाव की वैतरणी पार करने के लिए अब धर्म की नाव पर सवार होने को बुरा नहीं मानती। कथाओं, प्रवचनों और धार्मिक आयोजनों से जनता को जोड़ने का हरसंभव प्रयास किया जा रहा। इन आयोजनों के प्रचार से ही

राजनीतिक लोग ये दर्शाना भी नहीं छोड़ते कि इस आयोजन के पीछे वे हैं, ताकि उनकी आस्था को चुनाव में भुनाया जा सके। आजकल एक नया फार्मूला और खोज लिया गया, वो है रुद्राक्ष का वितरण। इस बहाने भी भीड़ इकट्ठा की जाने लगी है। कई बार रुद्राक्ष पाने के लिए रास्तों पर घंटों जाम लगने, भीड़ की भागमभाग से घायल होने जैसी कई घटनाएं हुईं। रुद्राक्ष के बाद अब तो गंगाजल की राजनीति में एंट्री हो गई। एक राजनीतिक पार्टी ने लोगों को गंगाजल बांटने की योजना बनाकर अपने आपको ज्यादा सनातनी बताने की कोशिश की। मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में करीब सालभर से कथावाचकों के आयोजन कुछ ज्यादा ही होने लगे। लाखों के खर्च से विशाल पंडालों में होने वाले इन आयोजनों का मकसद सिर्फ राजनीतिक फायदे तक सीमित हो गया। मध्यप्रदेश का मालवा-निमाड़ इलाका तो लम्बे अरसे से पूरी तरह धार्मिक हो गया। इस क्षेत्र की 66 विधानसभा सीटों में सालभर में 200 से ज्यादा धार्मिक आयोजन हुए। इस क्षेत्र के लगभग सभी मंत्री और विधायक अपने-अपने चुनाव क्षेत्र में कई बड़े धार्मिक आयोजन करवा चुके हैं। ज्यादातर नेता कथावाचकों की कथाओं में व्यस्त हैं। जो बचे वे तीर्थ दर्शन और कलश और चुनरी यात्राएं करवा रहे हैं। इस तरह के आयोजन में सभी लोग जुड़ते हैं, फिर उनकी राजनीतिक प्रतिबद्धता उस नेता की राजनीति से मेल खाती हो या नहीं! चुनाव की नजदीकी के कारण इस बार का गणेश उत्सव भी राजनीति की भेंट चढ़ गया। नेताओं ने अपने विधानसभा इलाकों में बड़े-बड़े आयोजन करवाए।

राजनीति में जब एक तरफ सनातन का मुद्दा गरमाया हुआ है, तो निश्चित रूप से इसके खिलाफ कुछ भी बोलना आपत्तिजनक ही माना जाएगा। दक्षिण के एक नेता ने सनातन विरोधी बयान देकर ऐसे हालात बना दिए कि उनके खिलाफ एक विचारधारा के नेता एकजुट हो गए। धर्म की वजह से ही लोगों के बीच भेदभाव और विभाजन बढ़ा है। इस बयान के बाद कुछ राज्यों में उनके खिलाफ मामले भी दर्ज किए गए। राजस्थान के एक नेता ने तो इस मुद्दे पर बेहद तल्ख टिप्पणी की। सनातन धर्म की आलोचना करने वालों को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। इस नेता ने सनातन को जिस तरह राजनीति के लिए जरूरी बताया उससे लगता है कि भविष्य में पार्टी और उम्मीदवार की चुनावी जीत उसके सनातनी होने पर ज्यादा निर्भर करेगी।

# खास मायने हैं हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहकार के

पुष्परंजन

हिंद-प्रशांत सेना प्रमुखों की नई दिल्ली में बैठक का कल आखिरी दिन था। पच्चीस से 27 सितंबर को आहूत इंडो-पैसेफिक आर्मी चीफ्स कॉन्फ्रेंस (आईपीएसीसी) में सुरक्षा सहकार पर व्यापक चर्चा हुई। यदि इस पर अमल हुआ, तो मानकर चलिए कि इंडो-पैसेफिक इलाके में रणनीतिक तस्वीर बदल जाएगी। चीन और रूस इस बैठक को लेकर चौकन्ने हैं। भारतीय सेना और अमेरिकी आर्मी के लोग 13वीं आईपीएसीसी बैठक को 'को-होस्ट' कर रहे थे। जी-20 के बाद यह दूसरी महत्वपूर्ण बैठक दिल्ली कैंट के मानिक शॉ सेंटर में हुई, जिस पर नजर रखने वाले रक्षा रणनीतिकार मानते हैं कि अमेरिका ने अपनी लॉबी की मजबूती का प्रयास किया है। आईपीएसीसी की इस बैठक में 30 देशों के प्रतिनिधि और 20 देशों के सेना प्रमुख पधारे थे। बैठक का स्लोगन था- 'हिंद-प्रशांत में शांति व स्थिरता के लिए हम सब एक हैं।'

भारतीय सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने ऑस्ट्रेलियाई सेना के प्रमुख जनरल साइमन स्टुअर्ट, जापानी सेल्फ डिफेंस सेना प्रमुख जनरल मोरीशिता यासुनोरी, अमेरिकी सेना प्रमुख जनरल रैंडी जॉर्ज, वियतनाम के उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल गुयेन दोआन अन्ह के साथ बातचीत की। सम्मेलन में केन्याई सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल पीटर म्बोगो नजीरू भी उपस्थित थे। बैठक में विमर्श का लब्बो-लुआब यह था कि हिंद-प्रशांत का इलाका समकालीन भू-रणनीतिक परिदृश्य में सेंटर स्टेज रूप धारण कर चुका है। जिन विषयों को सुरक्षा के साथ समग्रता में देखे जाने की आवश्यकता है, उनमें राजनीतिक, आर्थिक और पर्यावरण का विशेष महत्व है। बैठक के बाद एक संवाददाता सम्मेलन में जनरल पांडे ने जो थोड़ी-बहुत जानकारी साझा की, उसमें इन्हीं विषयों को फोकस किया था।

अमेरिकी सेना प्रमुख जनरल रैंडी जॉर्ज ने स्पष्ट किया कि जमीनी युद्ध के तौर-तरीके जिस तेजी से बदल रहे हैं, उसे देखते हुए रणनीति में बदलाव आज की आवश्यकता है। सेनाओं में अपने मानकों में बदलाव और पेशेवराना मजबूती पर जोर देने का समय आ गया है। हमें एकता और सामूहिक प्रतिबद्धता की भावनाओं को समझना है। हालांकि भारतीय सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने पत्रकारों से स्पष्ट किया कि इस बैठक को सैन्य गठजोड़ बनाने की दृष्टि से नहीं देखा जाना चाहिए, क्योंकि यह किसी देश या समूह के विरुद्ध किसी जिस्म का मोर्चा नहीं है। इस बैठक से कुछ दिन पहले एक खबर आई कि अमेरिकी आयुध निर्माण में भारत सहकार करेगा। जब अमेरिकी हथियार भारत में बनेंगे, तो वह किस बाजार में आपूर्ति करेगा? इस देश की कौन-सी निजी कंपनियां आयुध निर्माण में आएंगी? ये सवाल रक्षा विश्लेषक करते तो हैं, मगर उन सूचनाओं को साझा करने में सेना के बड़े अधिकारी अब भी परहेज करते हैं। उदाहरण के लिए, छोटे हथियार निर्माण में जिंदल आर्म्स का नाम 2020 में सामने आया था, जिसमें ब्राजील के 'ताउरूस आर्मास' से उसका समझौता हुआ था। मगर, बात अमेरिकी आयुध कंपनियों से सहकार की है। जो सेना प्रमुख नई दिल्ली की बैठक में आये थे, उनके गिर्द हथियार लॉबी मंडरा रही थी, इस बात को हम बमुश्किल नजरअंदाज कर सकते थे।

यह रोचक है कि कनाडा से बिगड़ते संबंध वाले माहौल में भी उसके उप सेना प्रमुख मेजर जनरल पीटर स्कॉट नई दिल्ली आये हुए थे। उन्होंने बयान दिया कि कनाडा उन अवसरों की तलाश में रहता है, जहां हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र के भागीदारों के साथ अभ्यास में भाग ले सकें। यह सम्मेलन हमें समान हितों वाले देशों के नेताओं से मेल-मुलाकात का एक मंच प्रदान करता है। आईपीएसीसी, 1999 में एक द्विवार्षिक कार्यक्रम के रूप में शुरू किया गया था, जो सामरिक हितों पर चर्चा करने के लिए भारत-प्रशांत क्षेत्र के देशों के सेना प्रमुखों को एक मंच पर लाता है। हर दो वर्ष पर सदस्य देशों के सेना प्रमुख विमर्श के लिए मिलते हैं। नवंबर 2022 में भारत-अमेरिकी सेना ने उत्तराखंड के औली में जो युद्धाभ्यास किया था, उसे लेकर चीन ने घोर आपत्ति की थी। जबकि यह इलाका एलएसी से 100 किलोमीटर दूर था। इसे ध्यान में रखने की आवश्यकता है कि भारतीय सैनिकों ने अमेरिका के अलास्का फोर्ट वाइनराइट में 25 सितंबर से साझा युद्धाभ्यास आरंभ किया है, जो 8 अक्टूबर 2023 तक चलेगा। इस युद्धाभ्यास को हम आईपीएसीसी का अहम हिस्सा मान सकते हैं। भारत-अमेरिका के बीच ज्वाइंट मिल्ट्री एक्सरसाइज ऐसे समय हो रही है, जब नई दिल्ली में आईपीएसीसी की बैठक चल रही है।

जो कुछ हो रहा है, उससे रूस और चीन के रक्षा विशेषज्ञ यह तो मानकर चल रहे हैं कि भारत धीरे-धीरे हिंद-प्रशांत इलाके में नाटो जैसे मिल्ट्री अलायंस की ओर उन्मुख हो रहा है। हम गुटनिरपेक्ष रह पायेंगे? इन घटनाओं के हवाले से कोई भी यह सवाल पूछेगा। बाइडेन अपनी कूटनीति की धार हिंद-प्रशांत में क्यों तेज करना चाहते हैं? फरवरी 2022 में व्हाइट हाउस ने 'इंडो-पैसेफिक स्ट्रैटिजी' शीर्षक से 19 पेज का दस्तावेज जारी किया था, जिसमें हिंद-प्रशांत में जो बाइडेन प्रशासन को क्या कुछ करना है, उसकी रूपरेखा तैयार की गई थी। 'द इंडो-पैसेफिक प्रॉमिस' चैप्टर के चौथे-पांचवें पेज पर लिखा है, 'दो सौ साल से अमेरिकी उपस्थिति एशिया प्रशांत में रही है। अमेरिका, इंडो-पैसेफिक पॉवर है। प्रशांत से हिंद महासागर तक का तटीय इलाका, जहां दुनिया की आधी आबादी रहती है।

## घर में कौए का आना

पितृ पक्ष में कौए का विशेष महत्व होता है। यदि पितृ पक्ष के दौरान कौआ आपके घर में आकर भोजन ग्रहण करता है तो इसका अर्थ यह है कि आपके पूर्वज आपके आसपास मौजूद है और वह आपको अपना आशीर्वाद दे रहे हैं। इसलिए पितृपक्ष में रोजाना कौए के लिए भोजन निकालना चाहिए। ऐसा करने पर आपके ऊपर पितरों की दया दृष्टि बनी रहती है।

# पितृ पक्ष में करें दान

## धन-समृद्धि का आशीर्वाद देंगे पितर

पितृ पक्ष में कुछ खास चीजें खरीदने और उनका दान करने से पूर्वज बहुत प्रसन्न होते हैं। परिवार में खुशियां आती है। पितृ पक्ष में जौ की खरीदारी करने से अन्न-धन के भंडार कभी खाली नहीं होते। जौ को धरती का पहला अनाज माना गया है धार्मिक दृष्टि से इसे सोने के समान माना जाता है। पितृ पक्ष में जौ का दान स्वर्ण दान के समान फल प्रदान करता है। इससे पितृ दोष दूर होता है। श्राद्ध पक्ष में पितरों के निमित्त सरसों के तेल का दीपक लगाना चाहिए। इससे वे तृप्त होते हैं। सरसों और चमेली के तेल का दान करने से घर में धन-संपत्ति की समस्या दूर होती है। कोई भी श्राद्ध काले तिल के बिना अधूरा माना जाता है। तर्पण के समय हाथ में जल और काला तिल लेकर ही पूर्वजों को जल अर्पित किया जाता है। पितृ पक्ष में काला तिल घर लाने और दान करने से वंश का विस्तार होता है। संतान सुख मिलता है। कुश की उत्पत्ति श्रीहरि विष्णु के रोम (बाल) से हुई है। श्राद्ध में कुशा बहुत महत्वपूर्ण सामग्री होती है। कुशा की अंगूठी पहनकर ही पूर्वजों का तर्पण करते हैं। चावल को चांदी के समान माना जाता है। पितरों को ध्यान करके कच्चे चावल का दान करना चाहिए। इससे आपके आर्थिक तंगी दूर होती है।

### आरंभ तिथि

हिंदू पंचांग के अनुसार इस साल 29 सितंबर से पितृपक्ष की शुरुआत हो रही है, इसका समापन आश्विन कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को होता है। अमावस्या तिथि इस बार 14 अक्टूबर को पड़ रही है।

## पितृ पक्ष का महत्व

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, हमारी पिछली तीन पीढ़ियों की आत्माएं पितृ लोक में रहती हैं, जिसे स्वर्ग और पृथ्वी के बीच का क्षेत्र कहा जाता है। इस क्षेत्र का नेतृत्व मृत्यु के देवता यम करते हैं। ऐसा माना जाता है जब ऐसा माना जाता है कि जब अगली पीढ़ी का कोई व्यक्ति मर जाता है, तो पहली पीढ़ी को भगवान के करीब लाते हुए स्वर्ग ले जाया जाता है। पितृलोक में केवल अंतिम तीन पीढ़ियों को ही श्राद्ध कर्म दिया जाता है। पितृपक्ष में अपने-अपने पूर्वजों की मृत्यु तिथि के अनुसार उनका श्राद्ध किया जाता है । मान्यता है कि जो लोग पितृपक्ष में पितरों का तर्पण नहीं करते उन्हें पितृदोष लगता है। श्राद्ध करने से उनकी आत्मा को तृप्ति और शांति मिलती है। वे आप पर प्रसन्न होकर पूरे परिवार को आशीर्वाद देते हैं। हर साल लोग अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए गया जाकर पिंडदान करते हैं।

## कैसे करें श्राद्ध

श्राद्ध का काम गया में या किसी पवित्र नदी के किनारे भी किया जा सकता है। इस दौरान पितरों को तृप्त करने के लिए पिंडदान और ब्राह्मण को भोजन कराया जाता है। अगर इन दोनों में से किसी जगह पर आप नहीं कर पाते हैं तो किसी गौशाला में जाकर करना चाहिए। घर पर श्राद्ध करने के लिए सुबह सूर्योदय से पहले नहा लीजिए। इसके बाद साफ कपड़े पहनकर श्राद्ध और दान का संकल्प कीजिए। जब तक श्राद्ध ना हो जाए तो कुछ भी ना खाएं। वहीं, दिन के आठवें मुहूर्त में यानी कुतुप काल में श्राद्ध कीजिए जो कि 11 बजकर 36 मिनट से 12 बजकर 24 मिनट तक रहेगा। दक्षिण दिशा में मुंह रखकर बाएं पैर को मोड़कर और घुटने को जमीन पर टिकाकर बैठ जाएं। इसके बाद तांबे के लोटे में जौ, तिल, चावल, गाय का कच्चा दूध, गंगाजल, सफेद फूल और पानी डालें। हाथ में कुश लेकर और दल को हाथ में भरकर सीध हाथ के अंगूठे से उसी बरत्न में 11 बार गिराएं। फिर पितरों के लिए खीर अर्पित करें। इसके बाद देवता, गाय, कुत्ता, कौआ और चींटी के लिए अलग से भोजन निकालकर रख दीजिए।

### 16 दिन के ही क्यों होते हैं श्राद्ध

शास्त्रों के अनुसार, ऐसा माना जाता है कि किसी भी व्यक्ति की मृत्यु इन सोलह तिथियों के अलावा अन्य किसी भी तिथि पर नहीं होती है। यानी कि जब भी पूर्वजों का श्राद्ध किया जाता है तो उनकी मृत्यु तिथि के अनुसार ही करना चाहिए । इसलिए पितृ पक्ष सर्फ सोलह दिन के होते हैं। हालांकि जब तिथि क्षय होता है तब श्राद्ध के दिन 15 भी हो जाते हैं लेकिन बढ़ते कभी नहीं।

## हंसना मना है

संता- यार सिर में बहुत दर्द हो रहा है। बंता- सिरदर्द होने पर कुछ देर गर्लफ्रेंड से जरूर बात करो। संता- क्यों? बंता- तुमने सुना नहीं है, जहर ही जहर को मारता है।

टीचर - तुम इतनी देर से स्कूल क्यों आए हो? बच्चा - मम्मी-पापा लड़ रहे थे। टीचर - वो लड़ रहे थे तो तुम क्यों देर से आए? बच्चा - मेरा एक जूता मम्मी के पास और दूसरा जूता पापा के पास था।

पहला कैदी - तुम्हें पुलिस ने क्यों पकड़ा? दूसरा कैदी - बैंक लूटने के बाद वहीं बैठकर पैसे गिनने लगा तो पुलिस ने पकड़ लिया। पहला कैदी - वहीं पर पैसे गिनने की क्या जरूरत थी? दूसरा कैदी - वहां पर लिखा था कि काउंटर छोड़ने से पहले पैसे गिन लें, बाद में बैंक जिम्मेदार नहीं होगा।

सुबह की चाय के साथ पत्नी बहुत सारी दवाईयां लेकर आई, पत्नी- ये लो चाय के साथ कॉल्पोल खालो। पति- नहीं मुझे बुखार नहीं है। पत्नी- तो डाइजीन ले लो। पति- नहीं मुझे गैस भी नहीं है। पत्नी- तो फिर पुदीनहरा ले लो। पति- नहीं मेरा पेट भी ठीक है। पत्नी- लो कॉम्बिफ्लेम ही ले लो, हाथ-पैर दुखना बंद हो जाएगा। पति- अरे कमाल करती हो, मुझे कुछ नहीं हुआ है, मैं एकदम ठीक हूं, तंदुरुस्त हूं। पत्नी- तो फटाफट उठो, सफाई के साथ बहुत काम करना है।

## कहानी — एकाग्रता का महत्व

वीर बहादुर एक सर्कस में काम करता था। वह खतरनाक शेर को भी कुछ ही समय में पालतू बना लेता था। एक दिन सर्कस में एक नौजवान आया। वह जानवरों के हाव-भाव और हरकतों पर रिसर्च कर रहा था। उसने वीर बहादुर से कहा, 'आपका बहुत नाम सुना है। खतरनाक शेर को भी पालतू कैसे बना लेते हैं आप?' वीर बहादुर ने मुस्कराते हुए कहा, 'देखो, यह कोई राज नहीं है। तुम बड़े सही मौके पर आए हो। आज ही मुझे एक खतरनाक शेर को पालतू बनाना है। वह कई लोगों को अपना शिकार बना चुका है। तुम मेरे साथ चलना और वहां खुद देखना कि मैं कैसे यह काम करता हूं। नौजवान ने देखा कि वीर बहादुर ने अपने साथ न कोई हथियार लिया और न ही बचाव के लिए कोई दूसरी चीज। उसने अपने साथ बस एक लकड़ी का स्टूल लिया है। वह हैरान था कि स्टूल से वीर बहादुर खतरनाक शेर को कैसे काबू कर लेगा। शेर जैसे ही वीर बहादुर की तरफ गरज कर लपकता, वह स्टूल के पायों को शेर की तरफ कर देता। शेर स्टूल के चारों पायों पर अपना ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करता और असहाय हो जाता। ध्यान बंटने के कारण कुछ ही देर बाद शेर वीर बहादुर का पालतू बन गया। इसके बाद वीर बहादुर ने नौजवान से कहा, 'अक्सर ऐसा होता है कि एकाग्र व्यक्ति साधारण होने पर भी सफल हो जाता है, लेकिन असाधारण व्यक्ति भी ध्यान बंटने के कारण शेर की तरह पराजित हो जाता है।' नौजवान ने तभी तय कर लिया कि वह जीवन में हर काम एकाग्र होकर करेगा..!

## 7 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**

बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

**वृषभ**

वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है। दुःखद समाचार मिल सकता है, धैर्य रखें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

**मिथुन**

शत्रु नतमस्तक होंगे। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा।

**कर्क**

नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है।

**सिंह**

रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है।

**कन्या**

अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। किसी विवाद में उलझ सकते हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

**तुला**

लेन-देन में सावधानी रखें। शारीरिक कष्ट संभव है। परिवार में तनाव रह सकता है। शुभ समाचार मिलेंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

**वृश्चिक**

विद्यार्थी वर्ग सफलता अर्जित करेगा। पठन-पाठन में मन लगेगा। दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा।

**धनु**

बेचैनी रहेगी। चोट व रोग से बचें। काम का विरोध होगा। तनाव रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम अनुकूल होंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थयात्रा की योजना बनेगी।

**मकर**

भूमि, भवन, दुकान व फैक्टरी आदि के खरीदने की योजना बनेगी। रोजगार में वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। अपरिचितों पर अतिविश्वास न करें। प्रमाद न करें।

**कुम्भ**

कष्ट, भय, चिंता व बेचैनी का वातावरण बन सकता है। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

**मीन**

स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। अपेक्षित कार्यों में अप्रत्याशित बाधा आ सकती है।

बॉलीवुड | मन की बात

# आरआरआर और पुष्पा देखने की कोशिश की लेकिन देख नहीं सका : नसीरुद्दीन शाह

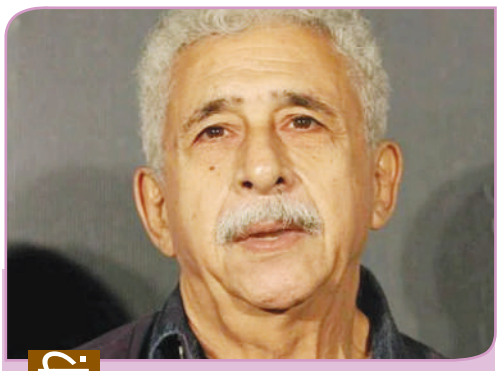

हिंदी सिनेमा के सीनियर एक्टर नसीरुद्दीन शाह अक्सर अपने बयान को लेकर चर्चा में रहते हैं। वे आज कल आने वाली हर फिल्मों को लेकर अपनी राय शेयर कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने आरआरआर और पुष्पा को लेकर भी अपनी राय दी। एक्टर ने कहा कि मैंने फिल्म देखने की कोशिश की थी लेकिन वे नहीं देख पाया। मीडिया को दिए हाल में एक इंटरव्यू में नसीरुद्दीन शाह ने फिल्मों को लेकर बात की है। एक्टर ने कहा कि रामप्रसाद की तेरहवीं और गुलमोहर जैसी छोटे बजट की फिल्मों को उनकी जगह और दर्शक मिलेंगे। इस बात पर मुझे यकीन है। मुझे यंग जेनेरेशन पर भरोसा है। वे बहुत ज्यादा डेवेलप्ड हैं और नॉलेज से भरे हैं। नसीरुद्दीन ने कहा की हाल में ही मैंने आरआरआर फिल्म देखने की कोशिश की, लेकिन पूरा नहीं देख सका। इसके अलावा पुष्पा भी नहीं देख पाया। एक्टर ने कहा कि मैंने मणिरत्नम की फिल्म देखी, क्योंकि वह बहुत अच्छे निर्देशक हैं और उनका कोई एजेंडा नहीं है। उन्होंने कहा, इन्हें देखने के बाद अक्सर एक खुशी होती है, जो कई दिनों तक बनी रहती है। मैं सोच नहीं सकता, मैं ऐसी फिल्में देखने कभी नहीं जाऊंगा। बता दें कि इससे पहले नसीरुद्दीन शाह ने विवेक अग्निहोत्री की कश्मीर फाइल्स को लेकर बड़ा बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि इस तरह की फिल्मों को इतना पसंद किया जाना परेशान करने वाली बात है। उन्होंने कहा था कि उन्होंने द केरला स्टोरी और गदर 2 जैसी फिल्में नहीं देखी हैं। लेकिन उन्हें पता है कि वे किस बारे में हैं। यह परेशान करने वाली बात है।

# मुंबई डायरीज-2 अगले महीने जारी होगा प्रीमियर

मुंबई डायरीज़ प्राइम वीडियो का सबसे पॉपुलर शो में से एक हैं। जल्द ही इस सीरीज का सीजन 2 दर्शकों का मनोरंजन करने आ रहा है। हाल में ही मुंबई डायरीज 2 टीजर रिलीज हुआ, जो फैंस को काफी पसंद आ रहा है। वहीं इस वेब की प्रीमियर डेट का ऐलान कर दिया गया है। तो चलिए बताते हैं कि कब फैंस को मनोरंजन करने आ रही है सीरीज। एमए एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस की गई, मुंबई डायरीज का निर्माण और निर्देशन निखिल आडवाणी द्वारा किया गया है। आठ-एपिसोड की इस सीरी में कोंकणा सेन शर्मा, मोहित रैना, टीना देसाई, श्रेया धनवंतरी, सत्यजीत दुबे, नताशा भारद्वाज, मृण्मयी देशपांडे और प्रकाश बेलवाड़ी सहित कई जाने-माने कलाकार शामिल हैं।

प्राइम व्यूवर 6 अक्टूबर से प्राइम वीडियो पर इस सीरीज को स्ट्रीम कर सकते हैं। प्राइम वीडियो ने आज अपने सबसे ज्यादा इंतजार किए जा रहे मेडिकल ड्रामा, मुंबई डायरीज के दूसरे सीजन के विश्वव्यापी प्रीमियर की तारीख की घोषणा कर दी। दूसरा सीज़न बॉम्बे जनरल हॉस्पिटल के डॉक्टरों, ट्रेनिंग लेने वालों और कर्मचारियों के साथ आतंकवादी हमलों से उत्पन्न हुए हालातों और उसके बाद उनके खुद के संघर्षों से निपटने के साथ-साथ मुंबई में आयी बाढ़ से हुई तबाही को दर्शकों के सामने प्रस्तुत करेगा। निर्माता और निर्देशक, निखिल आडवाणी ने कहा कि मुंबई डायरीज़ एक बारीकी से लिखा गया मेडिकल ड्रामा है जो हमारे सबसे आगे रहकर काम करने वाले कर्मचारियों और मेडिकल समुदाय के जाँबाजों के इम्तिहानों और जीतों की दुनिया से हमें रूबरू कराता है। मुंबई डायरीज़ 26/11 को मिले जबरदस्त स्नेह और तारीफ के बाद, हमने इस सीज़न में अपने मुख्य नायकों के लिए काम और भी मुश्किल कर दिया है। क्योंकि उन्हें उन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा जो उन्हें सभी तरह के हालातों में परखेंगी।

# इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स के लिए नॉमिनेट हुईं शेफाली शाह

इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स 2023 का आगाज नवंबर में होने वाला है। अवॉर्ड्स की नॉमिनेशन लिस्ट रिलीज कर दी गई है। 26 सितंबर को ये लिस्ट सामने आई थी। इस लिस्ट में 20 अलग देशों से करीब 56 लोगों को 14 अलग-अलग कैटेगरी में नॉमिनेशन मिला है। खास बात ये है कि इंडियन फिल्म इंडस्ट्री ने भी इसमें जगह बनाई है। तीन स्टार्स को इसमें नॉमिनेट किया गया है। इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स 2023 इस साल 20 नंवबर को न्यूयॉर्क में होने जा रहे हैं। इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स में शेफाली शाह और जिम सरभ और वीर दास को नॉमिनेट किया गया है। बेस्ट परफॉर्मेंस कैटेगरी शेफाली को नेटफ्लिक्स की सीरीज दिल्ली क्राइम में डीसीपी वर्तिका चतुर्वेदी के रोल के लिए मॉमिनेशन मिला है। वहीं जिम को सीरीज रॉकेट बॉयज के लिए बेस्ट परफॉर्मेंस कैटेगरी में नॉमिनेट किया गया है। इस सीरीज में उन्होंने डॉ। होमी जहांगीर भाबा का किरदार प्ले किया था।

## एकता कपूर भी होंगी सम्मानित

इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स में फिल्ममेकर एकता कपूर को भी सम्मान से नवाजा जाएगा। उन्हें फेमस इंटरनेशनल एमी डायरेक्टरेट अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा।

## वीर दास हुए नॉमिनेट

बात वीर दास की करें तो वह एक्टर के साथ-साथ फेमस कॉमेडियन हैं। उन्हें नेटफ्लिक्स पर उनके शो वीर दास- लैंडिंग के लिए नॉमिनेशन मिला है। वीर दास के अलावा फ्रांस के ले फ्लैम्बो, अर्जेंटीना के एल एनकारगाडो और यूके के कॉमेडी शो डेरी गर्ल्स सीजन 3 को नॉमिनेट किया गया है।

इस खास मौके पर शेफाली शाह, जिम सरभ और वीर ने सोशल मीडिया पर इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स के लिए नॉमिनेट होने पर पोस्ट शेयर कर अपनी खुशी बयां की है।

# पानी के अंदर तैरती है 51 किलो वजनी कुंडी भगवान नरसिंह का मानते हैं आशीर्वाद

नागौर। हम सब ने सुना या पढ़ा होगा की भगवान राम के नाम लिखने से पत्थर भी पानी मे तैरने लग गए। जी हां ऐसा ही नागौर मे जलझूलनी एकादशी पर पानी के अंदर 51 किलो वजनी कुंडी को तैराया गया। हम सबने सुना होगा कि पत्थर को पानी के ऊपर डालने से डूब जाता है परन्तु जब कहते हैं कि दैवीय शक्ति के आशीवार्द से तैराया जाता है तो वह डूबती नहीं है। ऐसा ही नागौर मे यह कार्य पिछले 300 वर्षों के अधिक समय से किया जा रहा है।

नागौर शहर में जलझूलनी एकादशी के उपलक्ष्य में 51 किलो की कुंडी को पानी में तैराया गया। 51 किलो पत्थर से बनी कुंडी पानी में ऐसे तैराई गई जैसे कागज की कश्ती पानी में तैरती हो। नागौर की नृसिंह बगैची में जलझुलनी एकादशी के मौके पर कुंडी के तैरने का यह दृश्य देखने सैंकड़ों लोग जमा हो गए। नागौर शहर में वर्षों से चली आ रही इस परम्परा को निभाने के लिए अब कृत्रिम तालाब बनाना पड़ रहा है। पहले गिनाणी तालाब में कुंडी तैराई जाती थी, लेकिन तालाब का सरंक्षण नहीं होने व पानी गंदा होने के चलते अब कुंडी को कृत्रिम तालाब बनाकर तैराया जाता है, ताकि वर्षों से चली आ रही परंपरा जिंदा रहे। 51 किलो वजनी कुंडी तैराने की परंपरा 300 वर्ष से अधिक पुरानी है। इस कुंडी में नरसिंह भगवान को विराजमान करके उन्हें झुलाया जाता है। इस बार भी भगवान की इस चमत्कारी लीला को देखने के लिए नागौर शहर में भारी भीड़ उमड़ी। नागौर वासी भास्कर बताते हैं कि यह कार्य भरवान नरसिंह जी की कृपा से किया जाता है। पहले के समय मे तालाब में तैराई जाती थी परन्तु तालाब गदा होने के कारण कृत्रिम तालाब में तैराई जाती है। वही यहां पर राघवदास जी महराज ने यह परम्परा की शुरुआत की थी।

अजब-गजब | बकरियों की आंखों में होती हैं अनोखी खूबियां

# बिना सिर हिलाए 320ए से 340ए डिग्री तक देख सकती हैं बकरियां

बकरियों की आंखें की बहुत ही अद्भुत होती हैं। उनमें ऐसी कई अनोखी खूबियां होती हैं, जिन्हें जान कर आपको हैरानी होगी। ये खूबियां ऐसी हैं, जो आपको बहुत ही अजीब भी लग सकती हैं। हो सकता है कि उनके बारे में 99 फीसदी लोगों को नहीं पता हो। तो आइए हम बकरियों की आंखों की उन्हीं अनोखी खूबियों के बारे में जानते हैं। ए-जे-एनिमल्स की रिपोर्ट के अनुसार, बकरियों की आंखों की सबसे अनोखी खूबियों में से एक उनकी आखों की पुतलियों का हॉरिजॉन्टल-आयताकार आकार का होना है। इस वजह से बकरियों को देखने की खास क्षमता मिलती है। वे काफी लंबा यानी हॉरिजॉन्टल व्यू में दिख सकती हैं। जिससे बकरियों को अलग-अलग एंगल्स से शिकारियों का पता लगाने में मदद मिलती है।

बकरियों की आखों में दूसरी सबसे बड़ी खूबी है कि उनके पास गजब का फील्ड ऑफ विजन होता है। वे बिना अपना सिर हिलाए अपने चारों ओर लगभग 320ए से 340ए डिग्री तक देख सकती हैं। ये उनकी हॉरिजॉन्टल पुतलियां और बड़ी आईबॉल्स के कारण संभव हो पाता है। यानी अगर आप किसी बकरी या बकरे के पीछे छुप रहे हैं और ये समझ रहे हैं की वह आपको नहीं देख पा रहा है, तो ठहरिए, आप गलत हैं। वह आपको पीछे खड़े होने पर भी आसानी से देख सकती हैं।

बकरियों की आखों का रंग लाइट ब्राउन और ब्लू हो सकता है। वे चीजों की गहराई को भी महसूस कर सकती हैं। वेबसाइट बैकयार्डगोट्स की खबर के अनुसार, बकरियों के सिर पीछे बस एक महीन ब्लाइंड स्पॉट होता है। उनकी आंखों का नाइट विजन काफी अच्छा होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि उनके रेटिना में काफी अधिक संख्या में रॉड सैल्स होते हैं। जिस वजह से बकरियों को सुबह और शाम के दौरान चरने और घूमने में मदद मिलती है। बैकयार्डगोट्स की रिपोर्ट के अनुसार, बकरियां कुछ हद तक रंगों को भी देख सकती हैं। वे स्पेक्ट्रम के बैंगनी/नीले से हरे से पीले/नारंगी रंग के हिस्से तक प्रकाश ग्रहण करती हैं। यानी वे इन रंगों को देख सकती हैं। वे विभिन्न रंगों के बीच अंतर कर सकती हैं, लेकिन उनका कलर विजन इंसानों की तरह विकसित नहीं हो सकता है। हालांकि बकरियां इंसानों की तुलना में कम बार पलकें झपकाती हैं।

# बच्ची के साथ हुआ भयावह अपराध, भारत माता के हृदय पर आघात : राहुल गांधी

» कांग्रेस का शिवराज और पीएम मोदी पर हमला

» उज्जैन रेप कांड- महिला अत्याचार में एमपी सबसे आगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव के ठीक पहले हुए उज्जैन दुष्कर्म घटनाक्रम के बाद प्रदेश की सियासत गरमा गई है। घटना के बाद लोगों में आक्रोश देख सरकार ने ताबड़तोड़ आरोपी को हिरासत में लिया। मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन कर दिया है। इधर, बिगड़ती कानून व्यवस्था और महिला सुरक्षा को लेकर कांग्रेस को एक चुनावी मुद्दा मिल गया है।

राहुल गांधी ने कहा कि मध्यप्रदेश में एक 12 साल की बच्ची के साथ हुआ भयावह अपराध, भारत माता के हृदय पर आघात है। महिलाओं के खिलाफ अपराध और नाबालिग बच्चियों के खिलाफ हुए दुष्कर्म की संख्या सबसे ज्यादा मध्यप्रदेश में है। इसके गुनहगार वो अपराधी तो हैं ही जिन्होंने ये गुनाह किए, साथ ही प्रदेश की भाजपा सरकार भी है, जो बेटियों की रक्षा करने में अक्षम है। न न्याय है, न कानून व्यवस्था और न अधिकार...आज मध्यप्रदेश की बेटियों की स्थिति से पूरा देश शर्मसार है, मगर प्रदेश के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री में बिल्कुल शर्म नहीं है। चुनावी भाषण, खोखले वादों और झूठे नारों के बीच बेटियों की चीखें उन्होंने दबा दी हैं।

उधर, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने उज्जैन की दर्दनाक घटना को लेकर प्रदेश सरकार से पीड़िता को एक करोड़ रुपये की आर्थिक मदद दिए जाने की मांग की है। कमलनाथ ने कहा कि मध्यप्रदेश बेटियों के लिए सबसे असुरक्षित प्रदेश बनता जा रहा है। इस सरकार के लिए बेटियों की सुरक्षा केवल विज्ञापन और भाषण का विषय है।

## मप्र में हेल्थ विभाग में बाइक और ऑटो के नंबरों पर लाखों का भुगतान

कांग्रेस ने हेल्थ विभाग में हो रहे भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। कांग्रेस की ओर से केके मिश्रा, पुनीत टंडन और जेपी धनोपिया ने कहा कि सूचना के अधिकार से प्राप्त जानकारी में दस्तावेज निकलकर आए हैं, वह अपने आप में चौकाने वाले हैं। विभाग द्वारा मोटर साइकिल, ऑटो रिक्शा एवं दूसरे प्रदेशों के वाहनों एवं वित्त विभाग के नियम विरूद्ध प्राइवेट नाम से दर्ज वाहनों पर लाखों रुपये का भुगतान सिर्फ भोपाल मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी के कार्यालय से होना पाया गया है। उनहोंने कहा, यदि इसी प्रकार पूरे मप्र के सरकारी कार्यालयों में लगे प्राइवेट वाहनों की जांच की जाए तो कहीं न कहीं यह 100-200 करोड़ रुपये से ऊपर का घोटाल उजागर होगा। सरकार कहीं न कहीं अपने चहेतों को उपकृत करने के लिए नियम विरूद्ध गाड़िया लगाकर जनता के पैसों का खुलेआम दुरूपयोग कर भ्रष्टाचार कर रही है। मप्र के मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री प्रभुराम चौधरी की नाक के नीचे जब राजधानी जैसी जगह में फर्जी भुगतान से लाखों रुपयों का भ्रष्टाचार हो रहा है तो प्रदेश के अन्य आदिवासी बहुल क्षेत्रों में की क्या स्थिति होगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल के कार्यालय से प्राइवेट वाहनों के नाम लाखों रुपयों का भ्रष्टाचार किया जा रहा है एवं वित्त विभाग के नियमों की खुलकर अवहेलना की जा रही है। इसी प्रकार यूपी 79 टी-7595 डिजायर गाड़ी के नाम पर 52,907 रुपये का भुगतान 18 अगस्त 2020 को किया गया, यह वाहन परिवहन विभाग की साइट के नाम पर कहीं भी दर्ज नहीं होना पाया गया, जो कि अपने आप में जांच का विषय है।

## अंतिम समय में विधवा महिलाओं के साथ अन्याय न करें सीएम : कमलनाथ

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख कमलनाथ ने विधवा और निराश्रित महिलाओं को पेंशन नहीं मिलने का मुद्दा उठाकर शिवराज सिंह चौहान सरकार को घेरा है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के चीफ और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि आपकी विदाई होने वाली है लेकिन कम से कम सत्ता की अंतिम घड़ियों में समाज के कमजोर वर्ग से अन्याय तो मत कीजिए। आपने पूरे प्रदेश में अपनी झूठी वाहवाही के विज्ञापन लगा रखे हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि प्रदेश में निराश्रित और विधवा महिलाओं को पिछले दो महीने से पेंशन का भुगतान तक नहीं हुआ है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रमुख ने कहा कि इन दुखी बहनों को मात्र 600 रुपए महीने पेंशन मिलती है। उसे भी देने से आपकी सरकार ने इनकार कर दिया है। मध्य प्रदेश की बहनें आपसे जानना चाहती है कि आप आए दिन हजारों करोड़ रुपये का कर्ज़ मध्य प्रदेश में लेते हैं।

# पीजीआई के पास अपार्टमेंट का एक हिस्सा गिरा, दो की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पीजीआई थानाक्षेत्र के सेक्टर-12 में बृहस्पतिवार देर रात कालिंदी पार्क के पास निर्माणाधीन अपार्टमेंट का एक हिस्सा तेज धमाके के साथ गिरा। इससे इलाके में हड़कंप मच गया। निर्माणाधीन अपार्टमेंट में मजदूर का काम करने वाली बीकेटी निवासी सुनील ने बताया कि वह रोड के दूसरी तरफ झोपड़ी डालकर रहता है। रात को सभी लेबर खाना-पीना खाकर लेटे थे।

कुछ झोपड़ी के अंदर थे तो कुछ गर्मी के चलते बाहर थे। करीब 11.30 बजे अचानक जोरदार धमाके की आवाज का एहसास हुआ। लगा कि बम फट गया हो। हड़बड़ा कर बाहर निकला तो देखा कि निर्माणाधीन अपार्टमेंट का एक हिस्सा ढह गया था और झोपड़ियां उसमें समा गई थीं। बिना सोचे-समझे वह मलबे में कूद गया और लोगों को तलाशने लगा। इस बीच पुलिस और दमकलकर्मी पहुंच गए। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि पांच झोपड़ियों में चार पुरुष, दो बच्चे और एक महिला थी।

# संवैधानिक संस्थाओं के प्रमुखों पर दबाव बना रहे पीएम मोदी : अशोक गहलोत

» धनखड़ के दौरों पर सीएम नाराज कहा- चुनाव के समय बार-बार आना गलत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**सीएम राजनीति कर रहे : मेघवाल**

केंद्रीय कानून व न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की राजस्थान यात्रा पर सवाल उठाने के लिए मुख्यमंत्री गहलोत पर निशाना साधा है। मेघवाल ने कहा, उपराष्ट्रपति को अपने ही राज्य में आने के लिए क्या मुख्यमंत्री से अनुमति लेनी होगी? मेघवाल ने कहा, उपराष्ट्रपति किसानों के कल्याण के लिए आए थे। मुख्यमंत्री इस पर राजनीति कर रहे हैं, यह ठीक नहीं है। राजस्थान के उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया ने कहा कि जब बड़े नेता राज्य में आते हैं तो इससे पार्टी कार्यकर्ताओं का विश्वास बढ़ता है।

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक बार फिर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के राजस्थान दौरे पर सवाल उठाए हैं। धनखड़ के सांविधानिक पद पर होने का हवाला देते हुए गहलोत ने नीमराना में कहा, अब बस राष्ट्रपति का दौरा ही बाकी रह गया है।

सीएम गहलोत ने कहा, मैं उपराष्ट्रपति का सम्मान करता हूं और उनसे कई दशकों से अच्छे रिश्ते भी हैं, लेकिन बुधवार को उन्होंने पांच जिलों का दौरा किया। पूरा राज्य ही छान मारा। इन दौरों में उनसे मिलने वालों में अधिकतर भाजपा के ही नेता थे। ऐसा होता है क्या? गहलोत ने कहा, भारत सरकार को सांविधानिक संस्थाओं के प्रमुखों पर दबाव नहीं बनाना चाहिए। इससे पहले, कोटपुतली-बहरोड़ में गहलोत ने कहा, भाजपा नेताओं के आने से कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन उपराष्ट्रपति व राष्ट्रपति को नहीं आना चाहिए, क्योंकि ये सांविधानिक पद हैं। इससे एक दिन पहले बुधवार को भी गहलोत ने कहा था, उपराष्ट्रपति हों या राष्ट्रपति हम उनका सम्मान करते हैं। धनखड़ अगर राष्ट्रपति बनेंगे तब भी हम उनका स्वागत करेंगे।

## सूचना

मैं आकाश कुमार, पिता मिस आर्या वर्मा छात्रा माउंट कार्मेल कॉलेज, महानगर, लखनऊ ने (बोर्ड-आईसीएसई, कक्षा 10), वर्ष 2022-23 में पास किया है, इस संदर्भ में सूचना देता हूँ कि मेरी बेटी की ICSC बोर्ड की 10वीं की मार्कशीट में पिता के नाम की गलत जानकारी अंकित की गई है। विदित हो कि पिता का सही नाम आकाश कुमार है और यह क्रियाशीलता के लिए जरूरी है कि यह संशोधित हो। मैं स्थानीय समाचार पत्र के माध्यम से इस सूचना को जनसामान्य के साथ साझा कर रहा हूँ, ताकि यह जानकारी स्कूल प्रशासन द्वारा ध्यान में रखी जा सके और मेरी बेटी की मार्कशीट में सही जानकारी शामिल की जा सके।

-आकाश कुमार

# निशानेबाजों ने लगाया 'स्वर्णिम निशाना'

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हांगझोऊ। एशियाई खेलों का शुक्रवार (29 सितंबर) को छठा दिन है। भारत को छठे दिन शूटिंग में चार पदक मिले हैं। टेनिस में एक रजत हासिल हुआ। इससे पदकों की कुल संख्या अब 30 हो गई है। इससे पहले खेलों के पांचवें दिन तक भारत छह स्वर्ण, आठ रजत और 11 कांस्य के साथ पांचवें पायदान पर रहा था। अब भारत के आठ स्वर्ण, 11 रजत, 11 कांस्य हो गए।

भारतीय महिला बैडमिंटन टीम क्वार्टर फाइनल में हार गई। उसे थाईलैंड ने 3-0 से हराया। अश्मिता चालिहा के तीसरे मैच में बुसानन ओंगबामरुंगफान के खिलाफ हार के साथ ही टीम इंडिया बाहर हो गई। शूटिंग में भारत को आज दो पदक और मिले। महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में पलक ने स्वर्ण पदक पर कब्जा कर लिया। वहीं, ईशा सिंह ने रजत पदक पर कब्जा किया। पाकिस्तान की किश्माला तलत को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। पलक ने 242.1 और ईशान ने 239.7 का स्कोर किया। वहीं, किश्माला ने 218.2 का स्कोर किया। ईशा का यह प्रतियोगिता में चौथा पदक है। तैराकी में पुरुषों की 200 मीटर बैकस्ट्रोक हीट में अद्वैत 2:03.01 सेकंड का समय लेकर कुल मिलाकर सातवें स्थान पर रहे। वह शाम 5:26 बजे होने वाले फाइनल में पहुंच गए हैं। थाईलैंड के खिलाफ महिला टीम इवेंट में पीवी सिंधु को हार का सामना करना पड़ा है। उन्हें पोर्नपावी चोचुवोंग ने तीन गेम तक चले मुकाबले में हरा दिया। सिंधु यह मैच 21-14, 15-21, 14-21 से हार गईं। भारत अब थाईलैंड के खिलाफ मैच में 0-1 से पीछे हो गया है। शूटिंग में ऐश्वर्य प्रताप सिंह, स्वप्निल और अखिल की तिकड़ी ने कमाल कर दिया। तीनों ने मिलकर 50 मीटर राइफल 3 पॉजिशन पुरुष टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत लिया। तीनों मिलकर 1769 का स्कोर किया। चीन के लिंशू, हाओ और जिया मिंग की जोड़ी को रजत पदक मिला। वहीं, कोरिया के खिलाड़ियों ने कांस्य पदक अपने नाम किया।

» भारत को छठे दिन शूटिंग में मिले दो स्वर्ण और दो रजत

**रामकुमार और साकेत को रजत पदक**

टेनिस के पुरुष युगल स्पर्धा में भारत को एक रजत पदक मिला है। साकेत माइनेनी और रामकुमार रामनाथन की जोड़ी फाइनल में हार गई। दोनों को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। साकेत और रामकुमार को चीनी ताइपे के जेसन और यू-हसिउ ने मिलकर सीधे सेटों में हरा दिया।

# शादी का झांसा देकर पीड़िता से बलात्कार, आरोपी के रसूख के आगे पुलिस लाचार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गाजियाबाद। प्रदेश के गाजियाबाद जिला के मधुबन बापूधाम क्षेत्र में लड़की के साथ शादी का झांसा देकर जबदस्ती बलात्कार का मामला सामने आया है। पीड़िता के कई चक्कर लगाने के बाद पुलिस ने एफआईआर किया। सूत्रों के अनुसार मामला जिला गाजियाबाद का बताया जा रहा है, बलात्कार पीड़िता, निवासी सिग्नेचर होम्स, स्वर्ण जयंती पुरम,थाना मधुबन बापूधाम के साथ आरोपी अभिजीत वीरभान पुत्र अजयवीर सिंह ने शादी का झासा देकर पीड़िता से बलात्कार किया और अपने अन्य रिश्तेदारों द्वारा जबदस्ती करने का प्रयास किया। पीड़िता के मना करने और विरोध करने पर मारपीट ,अप्राकृतिक शारीरिक शोषण भी किया। हैरत की बात है कि इसमे आरोपी के घर वालो का भी योगदान रहा। इस तरह के जघन्य अपराध में घर वालो ने भी आरोपी का ही साथ दिया।

पीड़िता से बात करके पता चला कि वह आईटीएस डेंटल कॉलेज,मुरादनगर से बीपीटी की पढ़ाई कर रही थी, उसी समय सोशल मीडिया प्लेटफार्म के माध्यम से आरोपी अभिजीत वीरभान पुत्र अजयवीर सिंह निवासी 273,मेरठ रोड,ग्राम दुहाई,थाना मधुबन बापूधाम ,जिला गाजियाबाद, से बातचीत शुरू हुयी थी। उक्त आरोपित अभिजीत वीरभान ने शादी का झासा देकर पीड़िता से कई बार शारीरिक सम्बंध बना लिया। पीड़िता के दबाव देने पर आरोपित के माता पिता व बहन बहनोई ने दिनांक 21.10.2022 को आर्य समाज मंदिर का फर्जी कागज बनाकर गाजियाबाद सब रजिस्ट्रार कार्यालय में पंजीकरण कराया लेकिन अभिजीत के माता पिता ने शाजिश के तहत अपने निवास दुहाई नहीं ले गए और ना ही समाज के सामने कभी शादी की मानी।

**घरवालों ने भी दिया आरोपी का साथ**

**पुलिस ने पहले पकड़ा फिर छोड़ा**

## पीड़िता का वीडियो और फोटो बना के रखा

आरोपी यही नहीं पीड़िता का विडियो और फोटो बनाकर भी रख लेता था। पीड़िता के विरोध करने पर गाली गलौज मारपीट भी करता था। 25.10.2022 की रात बहनोई अभिषेक(आरोपित का) का छोटा भाई शेखर ने भी पीड़िता के साथ दुराचार करने का प्रयास किया। इस तरह के अमानवीय हरकतों से तंग आकर पीड़िता ने आरोपित के माता पिता से कहा की अगर आप लोग मुझे सामाजिक रूप नहीं अपनायेगे तो मैं इसकी शिकायत पुलिस से कर दूंगी, इस पर उन लोगो ने कहा कि तुम (पीड़िता) बलात्कार का केस न कर पाओ इसलिए हम लोगो ने शादी का झूठा पंजीकरण करा दिया था। यही नहीं उन लोगो ने 07.02.2023 को साजिश के तहत कोरे कागज पर हस्ताक्षर कराकर दिनांक 21.10.2023 को हुए पंजीकरण को भी निरस्त करा दिया था।

## पीड़िता की मानसिक हालत बिगड़ी

इस सभी प्रकरण को थाना मधुबन बापूधाम जिला गाजियाबाद में पीड़िता ने एफआईआर दर्ज कराने का प्रयास किया लेकिन पुलिस द्वारा उसकी सुनवाई नहीं हुयी। पीड़िता के परिवार वालो ने बताया कि पीड़िता मानसिक स्थिति बहुत ही खराब है और किसी कार्यवाही ना होने की स्थिति में आत्महत्या करने का भी सोच रही है। कई बार थाने का चक्कर लगाने और मीडिया का दबाव देने के बाद 25.09.2023 को पीड़िता की एफआईआर सेक्शन 376, 377, 354, 420, 504 व 506 के तहत दर्ज हुयी । इन संगीन धाराओं में एफआईआर दर्ज होने बाद पुलिस ने मुख्य आरोपित अभिजीत को अरेस्ट किया जिसकी पुष्टि खुद थानाध्यक्ष ने पीड़िता के परिवार को दिया था। कुछ ही समय बाद उसको छोड़ भी दिया।

# परास्नातक छात्रों को मानक से कम वजीफा दे रहे निजी मेडिकल कॉलेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के निजी मेडिकल कालेजों के स्नातकोत्तर छात्रों ने अपने कम पारिश्रमिक को लेकर सरकार से शिकायत की है। छात्रों ने नेशनल मेडिकल काउंसिल (एनएमसी ) के पीजीएमईआर-2000 के नियम-13 के अनुसार धनराशि देने की मांग की है। छात्रों ने कहा कि एनएमसी ने सारे मेडिकल कालेजों को आदेश देकर कहा है सारे छात्रों को सरकारी कालेजों के बराबर ही भुगतान राशि दी जाए। एनएमसी ने निजी कालेजों को चेतावनी देते हुए कहा था कि ऐसा न करने वाले कालेजों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गौरतलब हो कि पीजी चिकित्सा शिक्षा विनियम 2000 एनएमसी दिशा निर्देशों 133 अनुबंध51 के अनुसार स्नातकोत्तर छात्रों को राज्य सरकार के चिकित्सा संस्थानों द्वारा दिए जा रहे वजीफा की तरह ही निजी संस्थानों को वजीफा देना चाहिए पर उत्तर प्रदेश में कोई भी निजी कालेज इसका पालन नही कर रहा है। जहां सरकारी मेडिकल कॉलेज के स्नातकोत्तर छात्रों को 96 हजार रुपये मिल रहे हैं जबकि लखनऊ के निजी कालेज मात्र 14 हजार से लेकर 50 हजार तक ही छात्रों भुगतान देकर किनारा कर ले रहे। यूपी के प्रतिष्ठित कालेज हिंद 35,000, मेयो सिर्फ 14 हजार, टीएस मिश्रा 35 हजार व एरा मेडिकल 50 हजार का भुगतान कर रहा है।

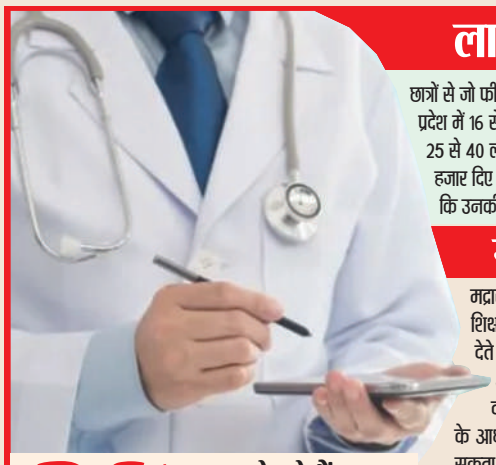

## लाखों में वसूली जा रही है फीस

छात्रों से जो फीस ली जा रही है वह यूपी के पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश से 40 प्रतिशत ज्यादा है। मध्य प्रदेश में 16 से 18 लाख फीस है जबकि स्टाईपेन लगभग 70 हजार दी जा रही हैं। वहीं उत्तर प्रदेश में 25 से 40 लाख के आस-पास फीस वसूली जा रही है जबकि स्टाइपेन के रूप में मात्र 14 से 50 हजार दिए जा रहे हैं। उधर छात्र इस मननमानी के खिलाफ जब बोलेते हैं तो उन्हें धमकाया जाता है कि उनकी शैक्षणिक यात्रा को बाधित कर दिया जाएगा इस डर से बहुत से छात्र कुछ नहीं बोलते हैं।

**96 हजार दे रहे हैं सरकारी कॉलेज**

**14 हजार देकर किनारा कर रहे निजी कॉलेज**

## मद्रास उच्च न्यायालय ने दिया था आदेश

मद्रास उच्च न्यायालय ने स्नातक चिकित्सा शिक्षा विनियम, 2000। के संदर्भ में आदेश देते हुए कहा था कि कॉलेज कर्तव्यह हैं और छात्रों को वजीफा देने का कानूनी दायित्व है और न्यायसंगत सेट-ऑफ के आधार पर इससे इनकार नहीं किया जा सकता है, भले ही वह राशि मांगी गई हो।कोर्ट ने कहा कि कॉलेजों ने इस बात से इनकार नहीं किया है कि छात्र उनके कॉलेजों में पोस्ट-ग्रेजुएट कोर्स के दौरान रेजिडेंट डॉक्टर के रूप में किए गए काम के लिए वजीफा के भुगतान के हकदार हैं। स्नातकोत्तर छात्रों द्वारा किए गए कार्य के लिए वजीफा का भुगतान मेडिकल कॉलेज का वैधानिक दायित्व है। वहीं, वजीफा प्राप्त करना छात्रों का अधिकार है। विनियम 13.3 पर गौर करने के बाद, न्यायालय ने कहा कि यह आदेश देता है कि विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में स्थित संस्थानों के स्नातकोत्तर छात्रों को राज्य सरकार के चिकित्सा संस्थानों के स्नातकोत्तर छात्रों को दिए जाने वाले वजीफे के समान ही वजीफा दिया जाएगा। मद्रास उच्च न्यायालय ने 2017-18 से 2019-20 तक शैक्षणिक वर्षों के लिए वजीफे का भुगतान न करने के लिए महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज और रिसर्च इंस्टीट्यूट और अरूपदाई विदु मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के स्नातकोत्तर छात्रों द्वारा दायर एक रिट याचिका में, संजय वी. गंगापुरवाला और पी. डी. ऑडिकेसवालु, जे.जे. की खंडपीठ ने कॉलेजों को मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के विनियमन 13.3 के संदर्भ में आदेश की तारीख से छह सप्ताह की अवधि के भीतर छात्रों को वजीफे की राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया है। राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में केंद्र सरकार के चिकित्सा संस्थान, जिनमें संस्थान स्थित है।

# ईडी के सामने पेश नहीं होंगे अभिषेक बनर्जी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता अभिषेक बनर्जी तीन अकटूबर को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश नहीं होंगे। ईडी ने शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में अभिषेक को समन किया था। इस बीच पार्टी महासचिव और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक ने परोक्ष रूप से ईडी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत उन्हें दिल्ली जाने से नहीं रोक सकती है।

दरअसल, ईडी ने शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में तीन अक्तूबर को एजेंसी के सामने पेश होने के लिए समन जारी किया है। इस पर बनर्जी ने दावा किया है कि दिल्ली में इंडिया गठबंधन की अहम कोऑर्डिनेटिंग मीटिंग के समय उन्हें ईडी ने बुलाया था और अब उस दिन बुलाया जब पश्चिम बंगाल की खातिर दिल्ली में एक प्रदर्शन किया जाना है।उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल के हक के लिए लड़ाई जारी रहेगी। दुनिया में कोई भी ताकत मुझे पश्चिम बंगाल के लोगों और उनके मौलिक अधिकारों के लिए लड़ने से नहीं रोक सकती है। उन्होंने आगे कहा कि वह दो और तीन अक्तूबर को दिल्ली में होने वाले प्रदर्शन में शामिल रहेंगे। बता दें, इससे पहले बनर्जी से 13 सितंबर को साल्टलेक में ईडी कार्यालय में अभिषेक से नौ घंटे तक लंबी पूछताछ की गई थी। ईडी कार्यालय से बाहर आने के बाद, उन्होंने पत्रकारों से कहा था कि उन्हें ईडी ने विपक्षी दलों की बैठक में जाने से रोकने के लिए यह दिन चुना है। अभिषेक ने आरोप लगाया था कि ईडी और सीबीआई पिक एंड चूज के आधार पर मामलों को आगे बढ़ा रही हैं।

# आतंकी पन्नू के खिलाफ अहमदाबाद में केस दर्ज

## » विश्वकप 2023 के मैच में हमले की दी थी धमकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुजरात। भारत बनाम पाकिस्तान आईसीसी विश्व कप 2023 मैच से पहले धमकी जारी करने के बाद प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के संस्थापक और नामित आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई।

अहमदाबाद के साइबर क्राइम डीसीपी, अजीत रंजन ने कहा, कि विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल पर पहले से रिकॉर्ड किए गए धमकी भरे संदेश प्रकाशित किए गए और माहौल खराब करने की कोशिश की गई। इस मामले में पन्नू के खिलाफ 121(ए), 153(ए)(बी), 505 आईपीसी, यूएपीए और आईटी एक्ट 66 एफ के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

### आनंद मोहन के बयान पर नाराज दिखे लालू यादव, बोले-

# जितनी अक्ल होगी, उतना ही बोलेगा ना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में राजद के सांसद मनोज झा की ठाकुर के कुआं वाली कविता पर घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस दौरान, राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने पूर्व सांसद आनंद मोहन के ठाकुरों को बदनाम करने वाले आरोपों पर उन्हें खरी-खोटी सुनाई है। वहीं आनंद मोहन भी अपना स्टैंड क्लियर किया।

दरअसल, शुक्रवार यानी 29 सितंबर को लालू के बड़े बेटे और नीतीश-तेजस्वी सरकार में पर्यावरण मंत्री तेज प्रताप यादव की ओर से स्कूल के बच्चों को जू सफारी के लिए भेजा गया। लालू यादव ने इन बच्चों की बस को झंडा दिखाकर रवाना किया। इस दौरान, जब पत्रकारों ने लालू यादव से मनोज झा की कविता ठाकुर के कुआं को लेकर सवाल पूछा तो जवाब में लालू ने कहा कि जितनी अक्ल होगी, उतना ही बोलेगा ना, वो अपनी शक्ल भी देखे। वहीं जब राजद विधायक चेतन मोहन आनंद के विरोध करने पर कहा कि उसे भी अक्ल नहीं है। इससे पहले पूर्व सांसद आनंद मोहन लालू यादव को इशारों-इशारों में अपना संदेश दिया था। आनंद मोहन ने कहा कि अगर हम किसी के साथ हैं, इसका यह मतलब कतई नहीं है कि हम राजनीतिक तौर भिखमंगा हैं। उन्होंने कहा कि अगर आप हमें एक या दो विधानसभा सीट पर समर्थन करेंगे तो हम 243 विधानसभा सीट पर आपका समर्थन करेंगे। अगर आप हमको एक लोकसभा सीट पर समर्थन करेंगे तो हम आपको 40 लोकसभा सीट पर समर्थन करेंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।